mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-138 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

21 मई 2025 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

विराट कोहली को...
@ पेज 7

पाकिस्तान की पोल खोलने विदेश जाने वाले सांसदों की पूरी लिस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने दुनिया के अलग-अलग देशों में पाकिस्तान की पोल खुलने के लिए जा रहे प्रतिनिधिमंडल को ब्रीफ किया। आज जिन प्रतिनिधि मंडलों को विदेश सचिव ने ब्रीफ उसमें प्रतिनिधिमंडल नंबर 3, 4 और 6 शामिल है। आइए जानते हैं किस डेलिगेशन में कौन-कौन शामिल है।

डेलीगेशन 1 बीजेपी सांसद बैजयंत पांडा के नेतृत्व में विदेश जाएगा। इस डेलीगेशन में बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे, फंगनन कोन्याक, रेखा शर्मा, असदुद्दीन ओवैसी (एआईएमआईएम), सतनाम संधू (मनोनीत), पूर्व मंत्री गुलाम नबी आज़ाद और पूर्व विदेश सचिव हर्ष श्रृंगला शामिल हैं। यह डेलीगेशन सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया की यात्रा करेगा।

डेलीगेशन 2 बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में विदेश जाएगा। इस डेलीगेशन में दग्गुबत्ती पुरंदेश्वरी (बीजेपी), प्रियंका चतुर्वेदी (शिवसेना-यूबीटी), गुलाम नबी खटाना (मनोनीत), अमर सिंह (कांग्रेस), समिक भट्टाचार्य (बीजेपी), पूर्व केंद्रीय मंत्री एम जे अकबर और पूर्व राजनयिक पंकज सरन शामिल हैं। यह डेलीगेशन यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जर्मनी, यूरोपीय संघ, इटली और डेनमार्क की यात्रा करेगा।

डेलिगेशन नंबर 3 का नेतृत्व जेडीयू सांसद संजय झा कर रहे हैं। इस प्रतिनिधमंडल में अपराजिता सारंगी (बीजेपी), अभिषेक बनर्जी(टीएमसी), बृजलाल (बीजेपी) जॉन ब्रिटास (सीपीएम),

प्रदान बरुआ (बीजेपी), डॉ हेमांग जोशी (बीजेपी), कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद और एंबेसडर मोहन कुमार शामिल हैं। डेलिगेशनन नंबर 3 की टीम इन देशों में जाएगी। 22 मई को जापान 24 मई को रिपब्लिक ऑफ कोरिया 27 मई को सिंगापुर 28 मई को इंडोनेशिया और 31 मई को मलेशिया जायेगा।

प्रतिनिधिमंडल 4 का नेतृत्व शिवसेना नेता श्रीकांत शिंदे कर रहे हैं। इस प्रतिनिधिमंडल में बांसुरी स्वराज (भाजपा), मोहम्मद बसीर (आईयूएमएल), अतुल गर्ग (बीजेपी), सस्मित पात्रा (बीजेडी), मनन कुमार मिश्रा(बीजेपी), एसएस अहलूवालिया भाजपा नेता और एम्बेसडर सुजान चिनॉय शामिल हैं। यह प्रतिनिधिमंडल 21 मई को यूएई 24 मई को डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ़ कांगो। 28 मई को सियरा लियोन और 31 मई को लाइबेरिया जाएगा।

डेलीगेशन 5 में इस टीम में शांभवी (एलजेपी रामविलास), सरफराज अहमद (जेएमएम), जीएम हरीश बालयोगी (टीडीपी), शशांक मणि त्रिपाठी (बीजेपी), भुवनेश्वर कलिता (बीजेपी), मिलिंद देवड़ा (शिवसेना), तेजस्वी सूर्या (बीजेपी) और पूर्व राजनयिक तरनजीत संधू मौजूद रहेंगे। डेलीगेशन नंबर 5 अमेरिका, पनामा, गुयाना, कोलंबिया और ब्राजील की यात्रा करेगा।

प्रतिनिधि मंडल 6 का नेतृत्व डीएमके सांसद कनिमोझी कर रही हैं। इसमें राजीव राय (समाजवादी पार्टी), अल्ताफ अहमद (नेशनल कांफ्रेंस), कैप्टन बृजेश चौटा (बीजेपी), प्रेमचंद गुप्ता (आरजेडी), अशोक कुमार मित्तल (आम आदमी पार्टी), अंबेडकर मंजीव पूरी और एंबेसडर जावेद अशरफ इस प्रतिनिधि मंडल में शामिल हैं। यह प्रतिनिधिमंडल 22 मई को रूस। 25 मई को स्लोवेनिया। 27 मई को ग्रीस। 29 मई को लातविया और 31 मई को स्पेन जायेगा।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान ने आर्मी चीफ आसिम मुनीर को दिया प्रमोशन, फील्ड मार्शल बनाया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिम मुनीर अब फील्ड मार्शल होंगे। पाकिस्तान की शहबाज़ शरीफ सरकार ने आर्मी चीफ आसिम मुनीर के प्रमोशन का फैसला किया है और उन्हें फील्ड मार्शल बना दिया है। इस फैसले के बाद आसिम मुनीर अब आर्मी जनरल से प्रमोट होकर फील्ड मार्शल हो जाएंगे। बता दें कि इससे पहले अयूब खान फील्ड मार्शल बने थे। फील्ड मार्शल बनने के बाद आसिम मुनीर की वर्दी पर भी अयूब खान की तरह अब फाइव स्टार लगेंगे।

पाकिस्तान की सेना में फील्ड मार्शल बहुत बड़ा पद होता है। पाकिस्तान में इससे पहले अयूब खान को फील्ड मार्शल बनाया गया था और अब आसिम मुनीर पाकिस्तान के दूसरे फील्ड मार्शल बनेंगे। बता दें कि ऑपेरशन सिंदूर में पाकिस्तानी की सेना को भारतीय सेना ने बड़ा सबक सिखाया था। इसी के साथ पाकिस्तानी वायुसेना प्रमुख का कार्यकाल भी बढ़ाया गया है। कैबिनेट के फैसले के मुताबिक एयर चीफ मार्शल रियायरमेंट के बाद भी पद पर बने रहेंगे। फिलहाल पाकिस्तान के एयर चीफ मार्शल ज़हीर अहमद बाबर सिद्धू हैं। मुनीर परंपरागत सैनिक नहीं होते भी आर्मी चीफ बन गया। वह साल 1986 में जियाउल हक के दौर में आर्मी में भर्ती हुआ था और अपने रियायरमेंट से दो दिन पहले ही मुनीर आर्मी चीफ बना था। ऑफिसर्स ट्रेनिंग स्कूल के जरिए मुनीर की सेना में भर्ती हुई थी वह पाकिस्तान मिलिट्री एकेडमी के जरिए सेना में नहीं आया था। मुनीर के पिता रावलपिंडी की मस्जिद में इमाम थे और मुनीर की शुरुआती पढ़ाई मदरसे में हुई थी।

ट्रंप के समधी होंगे फ्रांस के नए राजदूत

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समधी चार्ल्स कुशनर फ्रांस के राजदूत होंगे। अमेरिकी सीनेट ने उनकी नियुक्ति पर मुहर लगा दी है। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी

बेटी इवांका ट्रंप की शादी चार्ल्स कुशनर के बेटे जैरेड कुशनर से कराई है। चार्ल्स कुशनर का विवादों से भी नाता रहा है। हालांकि डोनाल्ड ट्रंप ने उन्होंने दिसंबर 2020 में माफी दे दी थी। इससे पहले कुशनर ने कहा था कि वह फ्रांस के साथ मिलकर काम करेंगे, ताकि दोनों देशों के बीच संबंधों में संतुलन लाया जा सके। दरअसल, अमेरिकी सीनेट ने 'रियल एस्टेट' कारोबारी चार्ल्स कुशनर की फ्रांस के राजदूत के रूप में नियुक्ति पर मुहर लगा दी है। कुशनर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जैरेड कुशनर के पिता हैं। कुशनर से जुड़े विवादों की बात करें तो उनपर टैक्स चोरी और चुनाव प्रचार अभियान के दौरान अवैध रूप से दान करने के आरोप लग चुके हैं और इसमें उन्हें दोषी भी ठहराया गया था। हालांकि ट्रंप ने कुशनर को दिसंबर 2020 में ही माफी दे दी थी।

बता दें कि चार्ल्स कुशनर के पक्ष में 45 के मुकाबले 51 मत पड़ा वह 'कुशनर कंपनीज' नामक 'रियल एस्टेट' फर्म के संस्थापक हैं। वहीं चार्ल्स के बेटे जैरेड, ट्रंप के पूर्व कार्यकाल में 'व्हाइट हाउस' (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) के वरिष्ठ सलाहकार रह चुके हैं। जैरेड कुशनर की शादी ट्रंप की सबसे बड़ी बेटी इवांका से हुई है। ट्रंप ने पिछले साल नवंबर में चार्ल्स कुशनर को नामित करने के अपने इरादे की घोषणा करते समय उन्हें ''एक कुशल कारोबारी, परोपकारी और सौदा करने में माहिर शख्स'' बताया था।

रीवा में दिन का पारा 42 डिग्री रिकॉर्ड, शाम को कुछ इलाकों में हुई बूंदाबांदी

रीवा (एजेंसी)। रीवा में मौसम लगातार करवट ले रहा है। एक ओर तापमान 42 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है, तो दूसरी ओर बादलों की लुकाछिपी और आंधी-बारिश का सिलसिला भी देखने को मिल रहा है।

सोमवार शाम शहर के कुछ हिस्सों में हल्की बूंदाबांदी भी दर्ज की गई थी। गर्म हवाओं और तपती धूप के बीच अचानक उमस हुई तो कभी बादल भी छाए। मंगलवार को सुबह से मौसम साफ रहा, लेकिन दोपहर में बादलों की आवाजाही के बीच धूप-छांव का सिलसिला जारी रहा। वातावरण में उमस बनी रही। अधिकतम तापमान 42एष्ट और न्यूनतम तापमान 28.9एष्ट दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1 और 2 डिग्री अधिक है। शाम को फिर कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी देखने को मिली।

मौसम विभाग के मुताबिक, फिलहाल मध्यप्रदेश में सात वेदर सिस्टम सक्रिय हैं। एक ट्रफ लाइन प्रदेश के मध्य से होकर गुजर रही है, जिसके प्रभाव से आंधी और बारिश का सिलसिला शुरू हो गया है। अगले चार दिनों तक रीवा समेत आसपास के इलाकों में हल्की बारिश या बूंदाबांदी के आसार जताए गए हैं।

देश के इस राज्य में आ रहा है चक्रवाती तूफान

भारी बारिश के साथ बाढ़ और भूस्खलन की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम में मंगलवार को कई जिलों में मूसलाधार बारिश हुई। इस बीच मौसम विभाग ने सिक्किम में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इसकी वजह से भारी बारिश से बाढ़, भूस्खलन और यात्रा में व्यवधान का खतरा पैदा हो सकता है। मौसम विभाग का कहना है कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण सिक्किम में तेज बारिश की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार से रविवार तक सिक्किम में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हो सकती है। 20-25 मई तक सिक्किम के सभी जिलों में मूसलाधार बारिश की संभावना है। वहीं, 26 मई को भी ज्यादातर इलाकों में बारिश की उम्मीद है।

मौसम विभाग ने मंगलवार को बताया कि सिक्किम में अगले तीन दिनों के दौरान गरज और बिजली के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। इसकी वजह से राज्य के कई इलाकों में बाढ़ का खतरा पैदा हो सकता है। वहीं कुछ जगहों पर भूस्खलन की घटनाएं हो सकती हैं। बाढ़ और भूस्खलन से लोगों को

सतर्क रहने की सलाह दी गई है। जानकारी के अनुसार, पूर्वोत्तर भारत के कई राज्यों में चक्रवाती तूफान का असर देखा जा सकता है। असम में तो मंगलवार को कई जिलों में भारी बारिश हुई। इसकी वजह से कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। मौसम विभाग ने बताया कि कर्नाटक, कोंकण और गोवा और केरल में 20-26 मई के दौरान बहुत भारी वर्षा की संभावना है। केरल में अगले 4-5 दिनों के दौरान मानसून के आगमन के लिए परिस्थितियां अनुकूल होने की संभावना है। बता दें कि असम के गुवाहाटी और श्रीभूमि जिले के कुई हिस्सों में मंगलवार को तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई। बारिश की वजह से सड़कों पर जलजमाव भी देखा जा रहा है।

महज एक घंटे की बारिश में पानी-पानी हुआ पुणे का इंटरनेशनल एयरपोर्ट

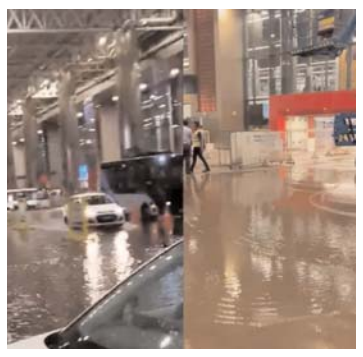

पुणे (एजेंसी)। जिले में बेमौसम बारिश के कारण हालात काफी बदहाल हो गए हैं। बारिश की वजह से एयरपोर्ट भी प्रभावित हुआ है। यहां पुणे इंटरनेशनल एयरपोर्ट के सभी गेट पर पानी भर गया है। इस वजह से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुणे शहर में सिर्फ एक घंटे की बारिश से पुणे एयरपोर्ट के निकास द्वार के पास जलभराव देखने मिला। पुणे एयरपोर्ट पर जलभराव का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि पुणे एयरपोर्ट के निकास द्वार के पास चैंबर पूरी तरह से भर गया है। सिर्फ एक घंटे की बारिश में ऐसे हालात हो गए हैं तो देखने वाली बात होगी कि मानसून शुरू होने पर क्या स्थिति होती है।

रीवा में नौकरी के नाम पर डेढ़ लाख की ठगी, कियोस्क संचालक गिरफ्तार

सरकारी अस्पताल का फर्जी अपॉइंटमेंट लेटर दिया

रीवा (एजेंसी)। रीवा के सिरमौर के सिविल अस्पताल में ओपीडी पर्ची काटने की नौकरी दिलाने के नाम पर एक कियोस्क संचालक ने युवक से डेढ़ लाख रुपए ठग लिए। आरोपी ने फर्जी अपॉइंटमेंट लेटर दिया, जिसकी पोल अस्पताल प्रबंधन के सामने खुल गई।

अमहिया थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल ने बताया कि पोस्ट मैट्रिक हॉस्टल झिरिया निवासी अवनीश साकेत ने शिकायत दर्ज कराई थी। आरोपी जीवेंद्र ने अपने सहयोगी विनय साकेत के साथ मिलकर नौकरी दिलाने के नाम पर 1,60,000 रुपए की ठगी की थी। पीड़ित जब फर्जी नियुक्ति पत्र लेकर सिविल अस्पताल पहुंचा, तो प्रबंधन से जानकारी मिलने पर ठगी का पता चला। पहले पीड़ित ने आरोपी से पैसे वापस मांगे, लेकिन नहीं मिलने पर थाने में शिकायत दर्ज कराई। मंगलवार को पुलिस ने जांच के बाद सिरमौर में दबिश देकर कियोस्क संचालक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

करंट लगने से किसान और 2 भैंसों की मौत

हवा-आंधी से जमीन पर गिरी 11 केवी बिजली लाइन

रीवा (एजेंसी)। जवा तहसील के ग्राम चटेह में मंगलवार सुबह करीब 7 बजे जमीन पर लटक रही बिजली की तार की चपेट में आने से 59 वर्षीय किसान गोपीकृष्ण मिश्रा की मौत हो गई। हादसे में उनकी दो भैंसें भी मर गईं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि सोमवार को आए आंधी-तूफान में कई पेड़ों के साथ बिजली के पोल और लाइनें टूट गई थीं। इसमें चटेह गांव के पास से गुजर रही 11 केवी की विद्युत लाइन भी टूटकर जमीन पर गिर गई थी। गोपीकृष्ण मिश्रा जब सुबह अपनी भैंसों को चराने ले जा रहे थे, तब वे इसी लाइन की चपेट में आ गए।

लोगों ने बिजली कंपनी पर लगाए लापरवाही के आरोप: स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि यह दुर्घटना बिजली कंपनी की लापरवाही का नतीजा है। उनका कहना है कि यदि समय रहते पावर सप्लाई बंद कर दी गई होती तो यह हादसा टल सकता था। ग्रामीणों ने विभाग पर लंबे समय से मरम्मत कार्य न कराने और मरम्मत के नाम पर भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया है।

10 लाख रुपए मुआवजे की मांग: मृतक के परिजन दिनेश मिश्रा ने बताया कि गोपीकृष्ण खेती और डेयरी व्यवसाय से परिवार का भरण-पोषण करते थे। उन्होंने प्रशासन से 10 लाख रुपए के मुआवजे की मांग की है। साथ ही दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई और भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए बिजली लाइनों की नियमित जांच की मांग की है।

जांच में जुटी पुलिस: परिजनों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो वे शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन करेंगे। जवा थाना पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

प्रधान आरक्षक गोलीकांड मामले में दो अस्पताल आमने-सामने

संजय गांधी हॉस्पिटल ने निजी अस्पताल के दावों को बताया झूठा, कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

रीवा (एजेंसी)। सतना के जैतवारा थाना क्षेत्र में प्रधान आरक्षक प्रिंस गर्ग को गोली लगने के मामले ने अब एक नया मोड़ ले लिया है। इलाज को लेकर परिजन और अस्पताल आमने-सामने हैं। परिजनों ने जहां रीवा के निजी अस्पताल पर लापरवाही का आरोप लगाया है, वहीं जवाब में निजी अस्पताल ने रीवा संभाग के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल संजय गांधी मेडिकल कॉलेज पर संसाधनों की कमी का हवाला दे दिया।

मृतक प्रिंस गर्ग के साले विनीत दुबे ने रीवा कलेक्टर को ज्ञापन देकर निजी अस्पताल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पताल ने इलाज में लापरवाही बरती, लाखों रुपए वसूले और गुमराह किया गया कि मरीज पूरी तरह ठीक हो जाएगा। यहां तक कि गोली निकालने का दावा भी किया गया, लेकिन सर्जरी के बाद जब

मरीज को दिल्ली के मैक्स अस्पताल ले जाया गया तो डॉक्टरों ने कहा कि मरीज ब्रेन डेड है और पहले से गलत उपचार हुआ है।

संजय गांधी अस्पताल ने निजी अस्पताल के दावों का खंडन किया: संजय गांधी अस्पताल प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि मरीज को 29 अप्रैल की रात 3 बजे अस्पताल में भर्ती किया गया था और सुबह 10-30 बजे परिजन उसे अपनी मर्जी से निजी अस्पताल ले गए। अस्पताल के सीएमओ डॉ. यत्नेश त्रिपाठी ने कहा कि प्रिंस को समय रहते इलाज दिया गया और उसे स्टैबलिश कर दिया गया था।

उन्होंने आगे कहा कि संजय गांधी मेडिकल कॉलेज में रीजन की एकमात्र सिटी स्कैन मशीन है, और निजी अस्पतालों के मरीज भी जांच के लिए यहीं भेजे जाते हैं। ऐसे में संसाधन की कमी का आरोप तथ्यहीन है।

निजी अस्पताल ने सरकारी सिस्टम पर उठाए सवाल: मिनिर्वा अस्पताल के डॉक्टर शिरीष मिश्रा ने बयान में कहा कि जब मरीज को लाया गया तब गोली लगने के 24 घंटे बीत चुके थे और बीपी बेहद कम था। संजय गांधी अस्पताल में मरीज के गले में ट्यूब डालने का प्रयास किया गया, जो सफल नहीं हो पाया। उनका दावा है कि परिजन पहले जिला अस्पताल और फिर संजय गांधी अस्पताल ले गए, जिससे काफी समय नष्ट हो गया। हमने अपने स्तर से मरीज के इलाज में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। हमने मरीज को बचाने का पूरा प्रयास किया।

पालघर जिला कलेक्ट्रेट को बम से उड़ाने की मिली धमकी

पालघर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पालघर में कलेक्टर कार्यालय को मंगलवार तड़के बम की धमकी वाला एक ईमेल मिला, जिसके बाद पुलिस को परिसर खाली कराना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि सुबह करीब 6.23 बजे कलेक्ट्रेट के आधिकारिक आईडी पर एक ईमेल भेजा गया, जिसमें कहा गया कि परिसर में आरडीएक्स लगाया गया है और उसमें अपराह्न 3.30 बजे विस्फोट होगा।

पूरा परिसर कराया खाली

जिला पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटिल अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और तलाशी शुरू की। पाटिल ने बताया कि कलेक्ट्रेट में मेटल डिटेक्टर के साथ टीम तैनात की गई हैं और एहतियात के तौर पर क्यूआरटी दस्ते की मांग की गई है। आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने कहा कि पूर्वाह्न 11 बजे परिसर को खाली करा लिया गया और तलाशी जारी है। वहीं, आपको बता दें कि राजस्थान के टोंक, राजसमंद और पाली जिला कलेक्ट्रेट को भी आज बम से उड़ने की धमकी मिली है। तीनों कलेक्ट्रेट को मेल से धमकी दी गई जिसके बाद हड़कंप मच गया और प्रशासन अलर्ट हो गया है।

स्कूल शिक्षा विभाग ने स्वैच्छिक स्थानांतरण आवेदन में सुधार के संबंध में दिये निर्देश

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्कूल शिक्षा विभाग ने स्थानांतरण नीति वर्ष-2022 के क्रियान्वयन के संबंध में समय सारणी जारी की है। समय सारणी के अनुसार स्वैच्छिक आवेदन के लिये अंतिम तिथि 21 मई 2025 नियत की गई है। स्वैच्छिक स्थानांतरण प्रारंभ होने के बाद बड़ी संख्या में शिक्षकों द्वारा वर्तमान पदस्थी दिनांक, विषय परिवर्तन, उच्च पद प्रभार के उपरांत से संबंधित प्रविष्ठि में सुधार किये जाने के लिये निरंतर आवेदन प्रस्तुत किये जा रहे हैं। आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय ने इस संबंध में सभी संभागीय संयुक्त संचालक और जिला शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक सुधार के लिये पत्र लिखकर निर्देश जारी किये हैं। लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी शिक्षकों को सूचित किया है कि वे यदि स्वयं के द्वारा किये गये स्वैच्छिक स्थानांतरण आवेदन में कोई परिवर्तन करना चाहते हैं तो स्कूल एजुकेशन पोर्टल 3.0 ओटीपी के माध्यम से अपने आवेदन को अनलॉक कर पूर्णतः डिलीट कर सकते हैं अथवा संशोधित विकल्प चुनकर पुनः निर्धारित तिथि तक लॉक कर सकते हैं। ऐसे अतिशेष शिक्षक जो त्रुटिपूर्ण जानकारी के कारण अतिशेष हैं वे अपने स्वैच्छिक स्थानांतरण के आवेदन को सुधार या डिलीट कर सकते हैं। अतिशेष शिक्षकों के संबंध में प्रक्रिया एवं समय सारणी पृथक से जारी की जायेगी। इस संबंध में समस्त कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, संभागीय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण और समस्त जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश जारी कर दिये गये हैं।

मदरसा बोर्ड शिक्षा सत्र-2025-26 के लिए ऑनलाइन आवेदन 23 मई से 30 जून 2025 तक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य मदरसा बोर्ड द्वारा शिक्षा सत्र 2025-26 में मदरसा मान्यता नवीनीकरण के ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा एम.पी. ऑनलाइन के अधिकृत पोर्टल पर 23 मई से 30 जून 2025 तक के लिए उपलब्ध कराई जा रही है। इसमें वर्ष 2025 तक मान्यता प्राप्त सामान्य मदरसों के अतिरिक्त वर्ष 2022 तक मान्यता प्राप्त मदरसों के लिए यह अंतिम अवसर है। इसके बाद ऐसे मदरसों की मान्यता नवीनीकरण के ऑनलाइन आवेदन करने की पात्रता समाप्त कर दी जायेगी। ऑनलाइन आवेदन से संबंधित आवश्यक सर्कुलर एवं अभिलेखों की विस्तृत जानकारी मदरसा बोर्ड की अधिकृत वेबसाइट पर एवं एम.पी. ऑनलाइन के पोर्टल पर मदरसा-बोर्ड पेज पर उपलब्ध कराई गई है। सचिव, मध्यप्रदेश मदरसा बोर्ड ने कहा है कि मान्यता प्राप्त मदरसों में निर्धारित तिथियों में आवेदन करना सुनिश्चित करें एवं आवेदन की एक प्रति समस्त दस्तावेजों के साथ अविलम्ब बोर्ड में भेजना एवं एक प्रति अपने जिले के जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जमा करना सुनिश्चित करें। तत्पश्चात ही प्रकरण पर अग्रिम कार्रवाई की जा सकेगी।

मुख्यमंत्री ने हाथियों के हमले में ग्रामीणों की मृत्यु पर किया दुःख व्यक्त

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहडोल जिले में तेंदूपत्ता तोड़ने गए ग्रामीणों पर हाथियों के हमले में 3 ग्रामीणों की मृत्यु पर गहन दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया %एक्स पर कहा कि घटना अत्यंत पीड़ादायक है। दुख की इस घड़ी में राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हाथियों के हमले की सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम को हादसे की जांच के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रत्येक मृतक के वैध आश्रित (वारिस) परिजन को 25-25 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश भी दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिवंगत आत्माओं को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोकाकुल परिजन के प्रति? अपनी गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

तकनीक से आत्मबल की ओरः संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क में सत्र 2025-26 प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क में सत्र 2025-26 का शुभारंभ विशेषज्ञों द्वारा दिए गए ओरिएंटेशन के साथ हुआ। इस सत्र में देश के विभिन्न राज्यों से आए 350 से अधिक युवा छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। यह आयोजन महज एक औपचारिक सत्र न होकर, युवाओं के जीवन में आत्मबल, तकनीकी दक्षता और नवाचार की दिशा में प्रथम निर्णायक कदम बनेगा।मध्यप्रदेश उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और महाराष्ट्र जैसे राज्यों से आए विद्यार्थियों ने ग्लोबल स्किल पार्क को गुणवत्ता आधारित करियर निर्माण का केंद्र मानते हुए प्रवेश लिया है। कार्यक्रम में छात्रों को संस्थान की उन्नत अधोसंरचना, इंडस्ट्री इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों, आधुनिक प्रयोगशालाओं और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकास की संपूर्ण प्रक्रिया से परिचित कराया गया।

ग्लोबल स्किल पार्क की शिक्षण व्यवस्था विद्यार्थियों को केवल जॉब ओरिएंटेड नहीं, बल्कि समस्या समाधानकर्ता और नवाचार आधारित उद्यमशील नागरिक के रूप में तैयार करने पर केंद्रित है। विशेषज्ञों द्वारा आयोजित सत्र में विद्यार्थियों को बताया गया कि यहाँ दी जाने वाली शिक्षा ट्रेनिंग फॉर एम्प्लॉयमेंट टू ट्रेनिंग फॉर एम्पावरमेंट की सोच पर आधारित है। छात्रों को प्रोफेशनल एटिकेट, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता और डिजिटलीकरण के साथ जॉब रेडी स्किल्स का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। यह दृष्टिकोण ग्लोबल स्किल पार्क को पारंपरिक आईटीआई और पॉलिटेक्निक मॉडल से अलग करता है।

ग्लोबल स्किल पार्क ने हाल ही में आईआईटी दिल्ली , आईआईटी रोपड़ और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से साझेदारी कर, कौशल विकास को अनुसंधान और अत्याधुनिक तकनीकों से जोड़ने की दिशा में नवाचारी कदम बढ़ाया है। आगामी सत्र में एआई, ड्रोन टेक्नोलॉजी, गेम डिज़ाइनिंग और इलेक्ट्रिक व्हीकल टेक्नोलॉजी जैसे कोर्सेज सेंटर ऑफ स्किल एडवांसमेंट के अंतर्गत आरंभ किए जा रहे हैं, जिससे यहां अध्ययनरत युवा वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो सकें।

इस सत्र में ग्लोबल स्किल पार्क में छात्राओं के नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। तकनीकी प्रयोगशालाओं और वर्कशॉप में छत्तीसगढ़ की अंजलि, राजस्थान की पायल और झारखंड की काजल जैसी छात्राएं अब उसी आत्म विश्वास से काम कर रही हैं, जैसी अपेक्षा अब तक केवल छात्रों से की जाती रही है। यह प्रवृत्ति न केवल महिला सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर है, बल्कि तकनीकी शिक्षा में लैंगिक संतुलन की ओर एक प्रभावी संकेत भी है।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल की दूरदर्शिता और प्रतिबद्धता है, जिनके मार्गदर्शन में ग्लोबल स्किल पार्क को न केवल राष्ट्रीय, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर की पहचान दिलाने का लक्ष्य तय किया गया है। सचिव श्री रघुराज राजेन्द्रन एवं संस्थान के सीईओ श्री गिरीश शर्मा के नेतृत्व में ग्लोबल स्किल पार्क सतत नवाचार और गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।आज ग्लोबल स्किल पार्क केवल एक संस्थान नहीं, बल्कि स्किल्ड इंडिया एंपावर्ड यूथ की सोच पर आधारित एक जीवंत प्रयोग है, जहां तकनीकी ज्ञान, व्यक्तित्व निर्माण और रोजगार परकता-तीनों को समान महत्व देते हुए युवाओं को आत्म निर्भरता की राह दिखाई जा रही है।।

जल संरक्षण के लिए जनभागीदारी आवश्यक-मंत्री श्रीमती उइके

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं सिंगरौली जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत खिरवा में 24 लाख रु. की लागत से निर्मित होने वाले अमृत सरोवर का भूमि-पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। उन्होंने जल संरक्षण को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह ने की, सिंगरौली विधायक श्री रामनिवास शाह भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

मंत्री श्रीमती उईके ने कहा कि जल ही जीवन का आधार है और आने वाले समय में जल की उपलब्धता तभी संभव है जब समाज इसमें अपनी सक्रिय भागीदारी निभाए। उन्होंने कहा कि जल स्तर में लगातार गिरावट चिंताजनक है और इसके समाधान के लिए समुदाय को अपने-अपने क्षेत्र के पारंपरिक जल स्त्रोतों की पहचान कर उनके संरक्षण, साफ-सफाई और जीर्णोद्धार की दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। मंत्री श्रीमती उईके ने स्पष्ट किया कि जल गंगा संवर्धन अभियान में बनाए जा रहे अमृत सरोवर जैसे प्रयास न केवल जल संचय को बढ़ावा देंगे, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन और जल-आधारित कृषि के लिए भी उपयोगी सिद्ध होंगे। राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह ने कहा कि सिंगरौली जिले में तालाबों, नदियों, कुओं और बावड़ियों जैसे परंपरागत जल स्त्रोतों की पहचान कर उन्हें पुनर्जीवित किया जा रहा है।

प्राकृतिक जल संसाधनों का संरक्षण और संवर्धन करना प्रत्येक नागरिक की जिमेदारी-मंत्री श्री टेटवाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जल संरक्षण के प्रति प्रदेश सरकार के संकल्प को मूर्तरूप देते हुए कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत राजगढ़ जिले के सारंगपुर के ग्राम मगराना में काई नदी के गहरीकरण एवं स्वच्छता कार्य में श्रमदान किया। इस अवसर पर उन्होंने श्रमदान कर उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों और जन-अभियान परिषद के सदस्यों के साथ जल स्त्रोतों की संरक्षा के प्रति सामाजिक चेतना बढाने का संदेश दिया।

मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि जल संरक्षण कोई एक दिवसीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के सामूहिक प्रयासों से संचालित होने वाला दीर्घकालिक दायित्व

है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणजन इस अभियान में सक्रिय सहभागिता कर रहे हैं। इससे यह अभियान एक महा-अभियान का स्वरूप ले चुका है। नदी तट पर श्रमदान के उपरांत उन्होंने उपस्थित जनसमूह को जल संरक्षण की शपथ दिलाई।

मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि जल गंगा अभियान का उद्देश्य केवल सफाई या गाद निकासी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अभियान प्रकृति के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी को समझने और निभाने का माध्यम है। मंत्री श्री टेटवाल ने सभी संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों से आहवान किया कि आगामी 45 दिनों में जल गंगा संवर्धन के तहत चिन्हित सभी कार्य समय सीमा में पूर्ण किए जाएं, जिससे यह प्रयास परिणामकारी सिद्ध हो।

एक वर्ष में स्टार्ट-अप में 30 और महिला स्टार्ट-अप में 34 प्रतिशत की वृद्धि - नई स्टार्टअप नीति हुई लागू

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए कार्यरत मध्यप्रदेश स्टार्ट-अप सेंटर ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ दर्ज की हैं। स्टार्ट-अप्स की संख्या, महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों में वृद्धि और राज्य में नवाचार को प्रोत्साहन देने वाली विभिन्न पहलों के चलते पिछला वर्ष अत्यंत सफल रहा है। पिछले एक वर्ष में राज्य में मान्यता प्राप्त स्टार्ट-अप्स की संख्या 4012 से बढ़कर 5230 हो गई, जिसमें 30 फीसदी की वृद्धि हुई है। महिलाओं द्वारा संचालित स्टार्ट-अप्स में 34 फीसदी की वृद्धि हुई है। इनकी संख्या 1864 से बढ़कर 2490 तक पहुँच गई हैं। इन प्रयासों से यह स्पष्ट है कि महिला उद्यमिता को विशेष बल दिया जा रहा है। आज प्रदेश में स्टार्ट-अप्स की संख्या 5300 से अधिक हो चुकी है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नई मध्यप्रदेश स्टार्ट-अप नीति एवं क्रियान्वयन योजना 2025 का शुभारंभ किया गया। इस दौरान 2500 से अधिक स्टार्ट-अप्स ने भाग लिया और फ्यूचर फ्रंटियर्स-स्टार्ट-अप पिचिंग सेशन में 20 स्टार्ट-अप्स को निवेशकों के समक्ष पिच करने का मौका मिला, जिसमें से 19 को निवेशकों द्वारा रुचि पत्र प्राप्त हुए।

महिला उद्यमियों को योजनाओं से जोड़ने के लिये 13 अगस्त 2024 को प्रदेश महिला उद्यमी सम्मेलन का हुआ। जिसमें 40 से अधिक महिला स्टार्ट-अप्स ने भाग लिया। कृषि क्षेत्र के लिए ब्लैकफंड के माध्यम से फंडिंग की सुविधा दी गई और कृषि आधारित स्टार्ट-अप्स को विभिन्न कार्यक्रमों में भागीदारी का अवसर मिला।

मध्यप्रदेश स्टार्ट-अप सेंटर ने पूरे वर्ष में 50 से अधिक कार्यक्रमों में भाग लिया तथा आयोजन किया, जिनमें 20 से अधिक शैक्षणिक संस्थान, औद्योगिक संगठनों, सरकारी विभागों के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों तक की सहभागिता शामिल रही।

प्रदेश में 1 लाख से अधिक कुओं को किया जा रहा रिचार्ज

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ज्ञान अभियान को मजबूती देने एवं प्रकृति, पर्यावरण व जल संरक्षण की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार मिशन के रूप में कार्य कर रही है। प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान जारी है। अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा मनरेगा योजना के तहत प्रदेश के 1 लाख कुओं को बारिश के पानी से रिचार्ज करने का लक्ष्य तय किया है। कुओं के पास कूप रिचार्ज पिट (डगवेल रिचार्ज विधि) बनाये जा रहे हैं। कूप रिचार्ज पिट को बनवाने में प्रदेश के कृषकों ने भी जागरूकता दिखाई है। कुओं के रिचार्ज होने से भू-जलस्तर बढ़ेगा, साथ ही कृषकों को सिंचाई व पीने के लिए पर्याप्त पानी भी उपलब्ध होगा। जल गंगा संवर्धन अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रदेश में 1 लाख 3 हजार कुओं को रिचार्ज करने का लक्ष्य तय किया है। इसमें से 75 हजार से अधिक कुओं के पास कूप रिचार्ज पिट बनाने का कार्य शुरू हो गया है। खंडवा जिले में कूप रिचार्ज पिट बनाने को लेकर दिए गए लक्ष्य से अधिक का निर्माण कर दिया गया है। कूप रिचार्ज पिट बन जाने से भू-जल स्तर में वृद्धि होगी। साथ ही गर्मियों में कुओं के सूखने की संभावना भी कम हो जाएगी। कूप रिचार्ज पिट बनाने के लिए एक खास संरचना तैयार की गई है।

लोक निर्माण मंत्री और भास्कराचार्य संस्थान प्रमुख के बीच उच्च स्तरीय बैठक हुई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह एवं भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग संस्थान के महा निदेशक श्री टी.पी. सिंह के बीच सोमवार को मंत्री निवास कार्यालय पर नई तकनीकों के उपयोग को लेकर एक उच्च स्तरीय बैठक हुई। बैठक में मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री भरत यादव, भवन विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री सिबी चक्रवर्ती, लोक निर्माण के प्रमुख अभियंता श्री केपीएस राणा एवं श्री एस. आर. बघेल उपस्थित थे।

बैठक में प्रधानमंत्री गति शक्ति प्लेटफार्म के अंतर्गत विकसित किए जा रहे विशेष जीआईएस पोर्टल और सर्वेक्षण

मोबाइल ऐप की विस्तार से जानकारी दी गई। यह पोर्टल मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया गया है, जो निर्माण कार्यों की निगरानी से लेकर परियोजनाओं के लिए डीपीआर तैयार करने तक की सुविधाएं प्रदान करता है।

बैठक में रोड ऐसेट मैनेजमेंट सिस्टम, ग्रीनफील्ड सड़कों की योजना, राज्य का रोड नेटवर्क मास्टर प्लान, रोड सेक्टर पॉलिसी और इंजीनियरों के प्रशिक्षण जैसे अहम बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। श्री सिंह ने प्रदेश के इंजीनियरों को जीआईएस पोर्टल पर प्रशिक्षण देने की सहमति दी और आईटी संबंधी तकनीकी जरूरतों में हरसंभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। लोक निर्माण विभाग के लोकपथ मोबाइल ऐप एवं लोक कल्याण सरोवर योजना की प्रशंसा करते हुए श्री टीपी सिंह ने सुझाव दिया कि विभाग के सभी नवाचारों के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिये एक विस्तृत सॉफ्टवेयर सिस्टम निर्मित किया जाना चाहिए। लोक कल्याण सरोवर के निर्माण के लिए उपयुक्त स्थल का चयन गति शक्ति पोर्टल के माध्यम से किया जा सकता है। इससे अधिकतम भूजल पुनर्भरण सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक माह 5 और 20 तारीख को किए जाने वाले औचक निरीक्षणों के लिए निर्माण कार्यों के रेंडम चयन व्यवस्था को जीआईएस पोर्टल के सहयोग से और भी बेहतर बनाया जा सकता है।

केंद्रीय अपर सचिव सोनल मिश्रा ने आईटीआई के प्रशिक्षण को बताया अत्याधुनिक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की अपर सचिव सुश्री सोनल मिश्रा (भा.प्र.से.) ने आज शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था इंदौर का दौरा किया। उन्होंने संस्थान में संचालित विभिन्न ट्रेडस का निरीक्षण किया और प्रशिक्षुओं से संवाद कर उनके प्रशिक्षण अनुभवों को जाना। केन्द्रीय अपर सचिव सुश्री मिश्रा ने ड्रोन टेक्नोलॉजी जैसे नवाचार से जुड़े ट्रेड्स को विशेष रुचि से देखा और प्रशिक्षण की गुणवत्ता की सराहना की और इस प्रशिक्षण सुविधा को अत्याधुनिक बताया। उन्होंने कहा कि तकनीक के साथ कदमताल करते हुए आईटीआई इंदौर जिस तरह युवाओं को भविष्य के लिए तैयार कर रहा है,

वह राष्ट्रीय स्तर पर एक मिसाल है। प्रशिक्षुओं में तकनीकी समझ, जिज्ञासा और आत्मविश्वास स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था। केन्द्रीय अपर सचिव सुश्री मिश्रा ने शासकीय ड्राइविंग प्रशिक्षण संस्थान, इंदौर का भी भ्रमण किया, जहाँ उन्होंने ट्रैफिक सिमुलेशन, ड्राइविंग टेस्ट एवं प्रशिक्षण की संरचना को देखा और प्रशिक्षकों से प्रशिक्षण पद्धति पर संवाद किया। उन्होंने प्रशिक्षण के लिए उपलब्ध संसाधनों और अधोसंरचना को अत्यंत सराहनीय बताया। केन्द्रीय अपर सचिव ने उपस्थित अधिकारियों से संस्थान की कार्य-प्रणाली, इंडस्ट्री लिंकज, प्लेसमेंट रिकॉर्ड और अपस्किलिंग की दिशा में किए जा रहे नवाचारों की जानकारी ली और सुझाव दिए कि युवाओं को उद्यमिता के लिए भी प्रेरित किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 'कौशल से समृद्धि' के विजन और कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल के नेतृत्व में चल रहे उन प्रयासों को सशक्त करता है, जिनका उद्देश्य युवाओं को वैश्विक मांग के अनुरूप प्रशिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाना है। संचालनालय कौशल विकास द्वारा तकनीकी प्रशिक्षण को नई दिशा देने और आधुनिक ट्रेड्स से जोड़ने का कार्य लगातार जारी है।

जर्मनी वित्त पोषित ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर परियोजनाओं में एमपी ट्रांसको के कार्य उच्चस्तरीय-वाल्टर क्लोट्ज

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जर्मनी के के.एफ.डब्ल्यू. डेवलपमेंट बैंक के अधिकारियों ने प्रधानमंत्री कार्यालय की मॉनिटरिंग में पूरी की गई उन परियोजनाओं का निरीक्षण किया, जिन्हें ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर-1 योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा निर्धारित लक्ष्य से पूर्व सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया था। जर्मनी से आए बैंक के तकनीकी अधिकारी श्री वाल्टर क्लोट्ज ने इस परियोजना के अंतर्गत निर्मित मंदसौर 400 केवी सबस्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने एमपी ट्रांसको द्वारा कराए गए कार्यों की उच्च गुणवत्ता और उत्कृष्ट तकनीकी तरीकों की सराहना की।

जर्मन प्रतिनिधि श्री वाल्टर क्लोट्ज ने निरीक्षण के दौरान कहा कि ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर के अंतर्गत के.एफ.डब्ल्यू. डेवलपमेंट बैंक द्वारा वित्त पोषित कार्य अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप किए गए हैं और अब इनका संचालन एवं संधारण

एमपी ट्रांसको की कुशल टीम द्वारा प्रभावी रूप से किया जा रहा है।

श्री क्लोट्ज ने सब स्टेशन के रखरखाव, स्काडा सिस्टम के माध्यम से डेटा मॉनिटरिंग, जैसे कार्यों का सूक्ष्म निरीक्षण कर उन्हें अत्यंत उत्कृष्ट बताया। उन्होंने स्वयं भी परिसर में वृक्षारोपण किया।

स्वास्थ्य केंद्र की तर्ज पर मप्र में पहली बार बोट एंबुलेंस

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश अब देश का पहला राज्य बनने जा रहा है जहां सड़क, हवा और जल इन तीनों रास्तों से एंबुलेंस सेवा मिलेगी। अब नदी पार गांवों के मरीजों को इलाज के लिए नाव नहीं ढूंढनी पड़ेगी।हेल्थ सर्विस खुद नाव से उनके पास पहुंचेगी। राज्य सरकार बोट एंबुलेंस सेवा शुरू करने जा रही है। यह नाव एक चलता-फिरता प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र होगी। इसमें डॉक्टर, नर्स और एएनएम की टीम तैनात रहेगी। ऑक्सीजन सपोर्ट सिस्टम, इमरजेंसी डिलीवरी, 65 तरह की दवाएं जरूरी दवाएं और मेडिकल उपकरण मौजूद रहेंगे।

योजना का पायलट प्रोजेक्ट नर्मदा किनारे बसे जिलों में शुरू होगा। इसमें मंडला, डिंडोरी, बड़वानी, अलीराजपुर और खरगोन शामिल हैं। इन जिलों में सड़क कनेक्टिविटी कमजोर है। बारिश में हाल और भी खराब हो जाता है। बाढ़ के समय जब सड़कें बंद हो जाती हैं, तब यह सेवा राहत शिविर और अस्पताल तक मरीजों को पहुंचा सकेगी। राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने इसका प्रस्ताव सीएम डॉ. मोहन यादव और डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल को सौंपा है। योजना को सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है।

एक दिवसीय युवा संगम मेला आज सतना में आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार जिला प्रशासन, जिला रोजगार कार्यालय एवं शासकीय आईटीआई कॉलेज के सहयोग से शासकीय आईटीआई परिसर बिरला रोड सतना में एक दिवसीय युवा संगम मेला का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि युवा संगम मेले का आयोजन 21 मई 2025 को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक शासकीय आईटीआई परिसर बिरला रोड सतना में किया जायेगा। युवा संगम मेला में रीवा वर्कशॉप प्राइवेट लिमिटेड, आमधने प्राइवेट लिमिटेड अपोलो टायर, धूत ट्रांसमिशन प्राइवेट लिमिटेड, प्रकृतिशील एग्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड, एमआरएफ इनफिनिटी कैरियर सोल्यूशन, देवा इंटरप्राइजेज, मदरशन सूमि, माडर्न वूलन्स भीलवाडा, एए ऑटोलिंक सतना, प्रगतिशील एग्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड, सिटी कार्स सतना में पद के लिए शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं आईटीआई, डिप्लोमा, परिवारातक उत्तीर्ण बेरोजगार आवेदक अपने मूल रिकार्ड के साथ निर्धारित स्थान पर उपस्थित होकर रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

कलेक्टर ने सुनी 133 आवेदकों की समस्यायें

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई में जिले के दूर-दराज के क्षेत्रों से आये 133 आवेदकों से उनकी समस्यायें सुनी और अधिकारियों को तत्काल निराकरण के निर्देश दिये।

इस मौके पर अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे, एसडीएम एलआर जांगडे सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में जमीन का सीमांकन कराने, अनुकंपा नियुक्ति, खाद्यान पात्रता पर्ची, दाखिल-खारिज कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना, अवैध कब्जा हटाने, विद्युत समस्या, जमीन का कब्जा दिलाने, सीमांकन कराने, चिकित्सा सहायता, रोजगार दिलाने, भरण-पोषण और संबल योजना के लाभ संबंधी आवेदन लेकर जनसुनवाई में पहुंचे।

मैहर जिले की जनसुनवाई में आये 42 आवेदन

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। कलेक्टर रानी बाटड ने मंगलवार को जनसुनवाई में जिले के विभिन्न अंचलों से प्राप्त 42 आवेदनों पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारी को निराकरण करने के निर्देश दिए। इस मौके पर अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जल संवर्धन अभियान के तहत तालाब की सफाई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से 30 जून तक चलाया जा रहा है। इस दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत मंगलवार को नगर परिषद नागौद द्वारा वार्ड क्रमांक-3 स्थित खजलइयां तालाब में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। जिसमें तालाब से कचरे को निकाल कर साफ किया गया एवं घाट की सफाई की गई।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार वर्ष 2025 हेतु आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। बहादुरी, खेल, सामाजिक सेवा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी पार्यावरण तथा कला और संस्कृति के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बालक/बालिकाओं से महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार के प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार वर्ष 2025 के लिये आवेदन आमंत्रित किया गया है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास सीधी प्रवेश कुमार मिश्रा द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रत्येक वर्ष 05 वर्ष से अधिक और 18 वर्ष से कम आयु के ऐसे बच्चों को दिया जाता है जिनके द्वारा बहादुरी, खेल, सामाजिक सेवा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर्यावरण तथा कला और संस्कृति के क्षेत्र मे राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट कार्य किया गया है। बच्चे की न्यूनतम एवं अधिकतम उम्र की गणना 31 जुलाई 2025 की स्थिति में की जायेगी। भारतीय नागरिक और भारत में रहने वाला बच्चा ही पुरस्कार के लिये पात्र है।

श्री मिश्रा द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार हेतु नामांकन/आवेदन केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल https://awards.gov.in के माध्यम से प्राप्त किया जायेगा। ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 है। आवेदन पत्र के संबंध मे विस्तृत जानकारी राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल https://awards.gov.in पर उपलब्ध है। जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा जिले के राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृट प्रदर्शन करने वाले पात्र बच्चों द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर आवेदन किये जाने का आग्रह किया गया है।

नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 30 मई को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला चिकित्सालय सीधी के डीइआईसी भवन में हृदय रोग से पीड़ित बच्चों एवं बड़ों हेतु निरूशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन दिनांक 30 मई 2025 को किया जा रहा है। इस शिविर में दिल की बीमारी से संबंधित समस्त समस्याओं का जांच एवं उपचार किया जाएगा ।

शिविर में इको एवं ईसीजी की सुविधा उपलब्ध होगी। आरबीएसके योजना के तहत 0 से 18 साल तक के बच्चों का उपचार कराया जाएगा। आयुष्मान कार्ड धारकों का उपचार आयुष्मान योजना के तहत कराया जाएगा। जिन बच्चों का होंठ कटा हो या तालु कटा हो, जिनको बोलने में समस्या हो, गले में छेद हो, जीभ जुड़ी हो, ऐसे बच्चों को 30 मई 2025 को सुबह 11 बजे भेजने का कष्ट करें।

कटे फटे होंठ एवं तालु के बच्चों के लिए कम से कम 4 माह की उम्र और 4 किलो से ज्यादा वजन होना अनिवार्य है। ऐसे बच्चों के परिजन बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र और अपने आधार कार्ड और साथ में दो दिन रुकने के हिसाब से व्यवस्था करके आएं। इन बच्चों का ऑपरेशन दुबे सर्जिकल हॉस्पिटल जबलपुर में किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बबीता खरे ने सभी हितग्राहियों से अनुरोध किया है कि वे इस शिविर का लाभ उठाएं और अपने दिल की बीमारी से संबंधित समस्याओं का समाधान कराएं।

पूर्व सैनिकों एवं उनकी विधवाओं की समस्याओं का निराकरण 22 मई को मैहर में

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सतना 22 मई को प्रातः 11.30 बजे मैहर तहसील प्रांगण में पहुंचेंगे। यहां पूर्व सैनिकों एवं उनकी विधवाओं को उनके कल्याणार्थ जानकारी देते हुए उनकी समस्याओं का निराकरण किया जायेगा। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी से.नि. कर्नल मुनीन्द्र त्रिपाठी द्वारा सभी पूर्व सैनिकों एवं उनकी विधवाओं से अपील की गई है कि समय पर उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का निराकरण कराये।

चुनाव प्रक्रिया में सहभागिता हेतु निगरानी कमेटी गठित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा आदेश जारी कर सीधी जिले के लिए जिला स्तर पर दिव्यांग मतदाताओं व वरिष्ठ नागरिकों की चुनाव प्रक्रिया में अधिकतम सहभागिता व साझेदारी को सुनिश्चित करने, उनको दी जा रही सुविधाओं की समीक्षा एवं उपायों को कारगर बना कर सुलभ चुनाव संपादित करने हेतु जिला स्तरीय निगरानी कमेटी का गठन किया गया है। जारी आदेशानुसार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कमेटी के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी कमेटी के उपाध्यक्ष होंगे। इसी प्रकार उप संचालक सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास सीधी, जिला शिक्षा अधिकारी सीधी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीधी, जिला कार्यर्₹ म अधिकारी महिला एवं बाल विकास सीधी, सहायक संचालक जनसंपर्क विभाग एवं जिला युवा अधिकारी नेहरू युवा केन्द्र सीधी कमेटी के सदस्य होंगे।

युवा संगम में 109 आवेदकों का हुआ प्राथमिक चयन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी देकर बताया कि जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र आई.टी.आई. सीधी एवं जिला रोजगार कार्यालय सीधी (म.प्र.) के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 20 मई 2025 को जिला रोजगार कार्यालय सीधी के परिसर में एक दिवसीय युवा संगम के तहत रोजगार, स्व-रोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन किया गया। मेले में देश, प्रदेश एवं स्थानीय स्तर से निजी क्षेत्र की 06 कंपनियों ने भाग लिया जिसमें 138 युवक एवं युवतियों ने अपना पंजीयन कराया एवं 109 आवेदकों का प्राथमिक चयन किया गया एवं स्वरोजगार से संबंधित विभाग जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र सीधी, ग्रामीण आजीविका मिशन, जनजातीय कल्याण विभाग सीधी, आदि विभागो मे चलने वाली स्वरोजगार योजनाओं से संबंधित स्टाल लगाकर आकांक्षी युवाओं को स्वरोजगार संबंधी जानकारी दी गई।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों को संतुष्टिपूर्ण निराकृत करायें

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। नागरिकों के समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिये शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इस बार आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए 139 आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा उसके निराकरण के लिए निर्देश दिए गए। अनिराकृत आवेदनों के लिये समय-सीमा निर्धारित कर अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों को संतुष्टिपूर्ण निराकृत करायेसीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में चयनित

विषयों से संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता पर निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि सीएम हेल्पलाइन की नियमित समीक्षा करें तथा प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित कर शिकायतों को निराकृत करायें। कोई भी शिकायत नॉन अटेण्डेड नहीं रहे और निम्न गुणवत्ता से बंद शिकायतों की संख्या न्यूनतम रहे। उन्होंने कहा कि अप्रैल-25 की शिकायतों के निराकरण में सभी विभाग ए-ग्रेड के लिए प्रयास करेंगे। शिकायतकर्ता से संपर्क कर उनकी वैध समस्याओं का तत्परता से निराकरण सुनिश्चित करेंगे।

जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, संयुक्त कलेक्टर एसपी मिश्रा, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनंजय मिश्रा सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। आज आयोजित जनसुनवाई में समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से जुड़े रहे।

प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी-2.0 में बनेंगे 10 लाख आवास

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी-2.0 सबके लिये आवास मिशन शुरू किया जा चुका है। यह मिशन वर्ष 2029 तक 5 वर्ष की अवधि के लिये र्ि यान्वित किया जायेगा। देश भर में एक करोड़ और मध्यप्रदेश में 10 लाख नवीन आवासों के निर्माण का कार्यक्रम तैयार किया गया है। योजना का उद्देश्य सभी पात्र शहरी गरीब एवं आवासहीन परिवारों को सुरक्षित स्थायी और किफायती आवास उपलब्ध कराना है।

प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी-1.0 (पीएमएवाई) में अब तक 8 लाख 50 हजार आवासों का कार्य पूरा किया जा चुका है। इस पर अब तक 22 हजार 975 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जा चुकी है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अधिकारियों को पीएमएवाई-यू-2.0 के लक्ष्य को समय-सीमा में हासिल करने के लिये निर्देश जारी किये गये हैं।

आवास योजना में लाभार्थी को 4 घटकों में दी जायेगी मदद: प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी-2.0 में पात्र लाभार्थी को 4 प्रमुख घटकों के माध्यम से लाभ दिया जायेगा। योजना के अंतर्गत आवेदन प्रर्ि या को सरल और पारदर्शी बनाया गया है। इच्छुक हितग्राही आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा विकसित यूनिफाइड वेब पोर्टल ीजजचे//चउंल-नतइंदणहवअण्पद के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिये हितग्राही अपने संबंधित नगरीय निकाय कार्यालय में भी सम्पर्क कर सकते हैं। केन्द्र और राज्य सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र परिवार आवास के अभाव में न रहे।

स्पेशल फोकस ग्रुप: पीएमएवाई-यू-2.0 विभिन्न वर्गों के लिये समानता सुनिश्चित करता है, जिसमें कल्याणी, अकेली महिलाएँ, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, ट्रांसजेंडर, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक और अन्य कमजोर वंचित वर्गों की आवास आवश्यकता को ध्यान में रखा गया है। इस योजना में विशेष रूप से सफाईकर्मियों, पीएम स्वनिधि योजना के तहत चिन्हित स्ट्रीट वेण्डर्स, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत विभिन्न कारीगरों, आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिकों, झुग्गी-बस्तियों और चालों के निवासियों और अन्य पात्र समूहों को प्राथमिकता दी जायेगी।

विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर आज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम एवं कार्यपालन अभियंता द्वारा बताया गया कि जिले के समस्त विद्युत उपभोक्ताओं को जिनके द्वारा वितरण केन्द्र स्तर पर गलत विद्युत देयकों के सुधार अथवा मीटर आदि से संबंधित शिकायते की गई हो एवं उनका निराकरण लंबित हो।

ऐसे उपभोक्ताओं के शिकायतो के निराकरण हेतु अध्यक्ष वृत्त स्तरीय विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम के द्वारा शिविर का आयोजन 21 मई को दोपहर 12 बजे से सायं 4 बजे तक कार्यालय अधीक्षण अभियंता के सभाकक्ष में आयोजित किया गया है। जिसमें उपभोक्ता उपस्थित होकर लंबित शिकायतों के निराकरण हेतु अपना अभ्यावेदन 3 प्रतियों में प्रस्तुत कर सकते हैं। उपभोक्ताओं के आवेदनों पर सुनवाई की जाकर प्रकरण को निराकृत किया जायेगा।

4 लाख की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रघुराजनगर (नगरीय) सतना राहुल सिलाडिया द्वारा तहसील रघुराजनगर अंतर्गत हनुमान नगर नईबस्ती निवासी कुलदीप अहिरवार की बदखर तालाब में डूबने से मृत्यु होने पर उसके पिता छोटेलाल अहिरवार को 4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

सीधी फीडर की विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अधीक्षण अभियंता (संचा-संघा) म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं लिमि. सीधी ने जानकारी देकर बताया कि 132/33 के.व्ही. उपकेन्द्र सीधी में 40 एम.व्ही.ए. को प्री-मानसून मेन्टीनेन्श एवं टेस्टिंग कार्य कराने के लिए दिनांक 22.05.2025 को सुबह 09 बजे से 05 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

उन्होने बताया कि दिनांक 22.05.2025 को 220 के.व्ही.ए. उपकेन्द्र सीधी से निकलने वाली 33 के.व्ही.ए. सिहावल एवं सेमरिया से संबंधित सभी उपकेन्द्र सटशाउन के दौरान बन्द रहेंगे।

बीड़ा में 'तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा' का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार द्वारा चलाए गए जवाबी सैन्य अभियान 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता को समर्पित करते हुए, भारतीय जनता पार्टी के निर्देश पर सेमरिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बीड़ा (शाहपुर मंडल) में सोमवार को 'तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा' का आयोजन किया गया। यह यात्रा भारत की सैन्य शक्ति, राष्ट्रीय स्वाभिमान और जनता की एकजुटता का जीवंत उदाहरण बन गई। यात्रा का नेतृत्व भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं रीवा संगठन प्रभारी श्री रणवीर सिंह रावत ने किया, जबकि कार्यक्रम भाजपा जिलाध्यक्ष श्री वीरेंद्र गुप्ता के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आयोजन में पूर्व विधायक सेमरिया श्री के.पी. त्रिपाठी की विशेष उपस्थिति ने जनसामान्य को प्रेरणा और ऊर्जा प्रदान की।

इस आयोजन की विशिष्टता रही क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं और समाज के हर वर्ग की सक्रिय भागीदारी। देशभक्ति के नारों, तिरंगा ध्वज की छांव और अनुशासित वातावरण में निकाली गई यह यात्रा, उन शहीदों के सम्मान की प्रतिध्वनि बन गई जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा में अपने प्राणों का बलिदान दिया।

यात्रा में भाजपा जिला उपाध्यक्ष उमाशंकर पटेल, भाजपा नेता दिवाकर द्विवेदी, विधानसभा संयोजक दयानंद तिवारी, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष शिवेंद्र शुक्ला, रीवा जनपद अध्यक्ष राजेश यादव, नगर अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेंद्र विश्वकर्मा, सेमरिया मंडल अध्यक्ष अरुणेंद्र तिवारी, बनकुइंयां मंडल अध्यक्ष शेषमणि पाण्डेय, शाहपुर मंडल अध्यक्ष दीपक सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष मनीष शुक्ला, महामंत्री सेमरिया देवेंद्र त्रिपाठी, सत्येंद्र सिंह गुड्डा, नंदू अग्निहोत्री, मुनेंद्र पयासी, शैलेश शुक्ला, अनंत सिंह सहित अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इस गरिमामयी यात्रा में "भारत माता की जय" और "वंदे मातरम्" जैसे जयघोषों से ग्राम बीड़ा गूंज उठा। जनसामान्य की उपस्थिति और सहभागिता ने इसे केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान किया। यह आयोजन बता गया कि देश की सुरक्षा और सम्मान के लिए सेमरिया की जनता हर मोर्चे पर एकजुट है।

यह यात्रा राष्ट्र के प्रति समर्पण, संगठनात्मक प्रतिबद्धता और भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणास्रोत बनकर इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गई है।

श्रमोदय आदर्श आई.टी.आई. में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ

आवेदन की अंतिम तिथि 31 मई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सहायक श्रम पदाधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि श्रमोदय आदर्श आई.टी.आई. भोपाल में संचालित 8 ट्रेडो में प्रवेश की प्रर्ि या प्रारंभ हो चुकी है। प्रवेश प्रर्ि या कौशल विकास विभाग के डीएसडी पोर्टल पर होगी। नए सत्र के लिए आवेदक www.dsd.mp.gov.in पर पंजीयन 31 मई 2025 तक कर सकते हैं। इस संस्था में संचालित ट्रेड तकनीशियन मेकाट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिशिन, सीएनसी मशीनिंग तकनीशियन, सिविल इंजीनियरिंग असिस्टेंट दो वर्षीय पाठ्यर्₹ म है। इसी प्रकार फैशन डिजाइन एण्ड टेक्नोलॉजी, इंटीरियर डिजाईन एण्ड डेकोरेशन, आईओटी स्मार्ट सिटी, वेल्डर एक वर्षीय पाठ्यर्₹ म है। इन व्यवसायों में वेल्डर के लिए प्रवेश योग्यता आठवीं उत्तीर्ण है। शेष सभी सात पाठ्यर्₹ मों में प्रवेश के लिए दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है।मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के पंजीकृत श्रमिक एवं उनके आश्रित परिवार के सदस्य श्रमोदय आदर्श आई.टी.आई. में एक वर्षीय एवं दो वर्षीय व्यवसाय में निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

139 आवेदकों की समस्याएं निराकरण के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। नागरिकों के समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिये शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जनसुनवाई आयोजित की जाती है।

इस बार आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए 139 आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा उसके निराकरण के लिए निर्देश दिए गए। अनिराकृत आवेदनों के लिये समय-सीमा निर्धारित कर अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं।

सांदीपनी विद्यालय सेमरिया में समर कैंप का समापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासकीय सांदीपनी विद्यालय सेमरिया में समर कैंप का आयोजन 01 से 20 मई तक आयोजित किया गया। समर कैंप में विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण छात्र छात्राओं को दिया गया।समर कैंप अंतर्गत संस्कृति के रंग, हमारी विरासत,खेल की भावना का विकास,कला कौशल,आज के सपने कल की उड़ान,डिजिटल टूल्स के उपयोग आदि थीम में बच्चो को प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही योगा, खेल, नृत्य, संगीत, कंप्यूटर आदि का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का समापन 20 मई को किया गया।जिसमे बालक बालिकाओं द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई।कार्यक्रम के अतिथि रिटायर्ड प्राचार्य सुरेंद्र मिश्रा,रिटायर्ड शिक्षक वंशराज सिंह,कथावाचक एवं समाजसेवी अमित अभय रामदास जी,विधायक प्रतिनिधि आई.बी.सिंह उपस्थित रहे। समर कैंप के आयोजन में मुख्यरूप से विद्यालय के स्टाफ संतोष पाण्डेय,शबनम अंसारी,विकास पांडेय,नवीन सोंधिया,ने विद्यालय के प्राचार्य शंकर दयाल दीक्षित के मार्गदर्शन में उत्कृष्ट कार्य किया।समापन अवसर पर सभी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया।

विचार

अमरीका फर्स्ट या ट्रम्प फर्स्ट?

'सब कुछ अपने लिए, दूसरों के लिए कुछ नहीं', एडम स्मिथ नामक अर्थशास्त्री ने 1776 में यूरोप के शासक वर्ग की निंदा करते हुए यह लिखा था। दूसरी ओर, जब संयुक्त राज्य अमरीका को 1776 में ब्रिटेन से स्वतंत्रता मिली, तो उसने दावा किया कि जहां अन्य लोग अपने राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाते हैं,अमरीका सार्वभौमिक सिद्धांतों को आगे बढ़ाने की कोशिश करता है। लेकिन जैसे-जैसे समय बदला अमरीकी नीति में भारी बदलाव आया। प्रसिद्ध प्रोफैसर लेखक नाओम चोम्स्की अपनी 100 वीं पुस्तक जो उन्होंने नाथन जे. रॉबिन्सन के साथ मिलकर लिखी है, में लिखा है,'' अमरीका किसी भी शक्तिशाली देश की तरह ही है। यह अपनी आबादी के प्रमुख क्षेत्रों के सामरिक और आर्थिक हितों का पीछा करता है।''

उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे 1958 में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के योजना बोर्ड ने एक पेपर तैयार किया था, जिसमें कहा गया था कि ब्रिटेन कुवैत और फारस की खाड़ी पर अपना नियंत्रण बनाए रखना चाहता था क्योंकि उसे तेल की जरूरत थी। इसमें आम कुवैती लोगों के कल्याण के बारे में नहीं सोचा गया। जब से ट्रम्प 'अमरीका फर्स्ट' का नारा ले कर आए हैं,सब नियम बदल गए हैं। विदेशी उदारता के प्रति खुलापन इस सप्ताह पूरी तरह से प्रदूशत हुआ, जब अमरीकी राष्ट्रपति को इस कार्यकाल में विदेश में अपनी पहली प्रमुख राजनयिक यात्रा के दौरान खाड़ी देशों में सम्मानित किया गया। उन्होंने खरबों डॉलर के सौदे किए और स्थानीय नेताओं को निवेश के लिए प्रेरित किया, क्योंकि उनका कहना है कि वह अमरीकी विदेश नीति को 'अमरीका फर्स्ट' को प्राथमिकता देने के लिए फिर से बना रहे हैं। मानवाधिकारों या अंतर्राष्ट्रीय कानून की चिंताओं को एक तरफ रख रहे हैं। लेकिन इस यात्रा और नीतियों का लाभ तो ट्रम्प को भी मिला है। प्रैस अनुमानों के अनुसार, उनके परिवार की संपत्ति में 3 बिलियन डॉलर से अधिक की वृद्धि हुई है और क्रिप्टोकरेंसी और अन्य निवेश सौदों जैसे कि ट्रम्प-ब्रांडेड पारिवारिक संपत्तियों की योजनाओं से होने वाले लाभ कहीं अधिक हो सकते हैं। ट्रम्प के करीबी व्यापारिक सहयोगियों द्वारा अरबों डॉलर के सौदे किए गए हैं, जिसका अर्थ है कि व्हाइट हाऊस के लिए उनका राजनीतिक समर्थन विदेशों में आकर्षक अनुबंधों में तबदील हो सकता है। इस सप्ताह मध्य पूर्व के अपने दौरे पर डोनाल्ड ट्रम्प ने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर के नेताओं के साथ कई अरब डॉलर के सौदों की घोषणा की। अमरीका और संयुक्त अरब अमीरात ने अबू धाबी को अमरीका के बाहर सबसे बड़े कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) परिसर के स्थल के रूप में चुना। सऊदी अरब ने सैमीकंडक्टर के लिए एक समान सौदा किया, जिसमें उसके सॉवरेन वैल्थ फंड के स्वामित्व वाले ए.आई. स्टार्टअप ह्यूमैन को सैंकड़ों हजारों 'एनवीडिया ब्लैकवेल चिप्स' की बिक्री का वादा किया गया। ये समझौते कई कारणों से उल्लेखनीय हैं।

नेताओं के बिगड़े बोल से आहत होती राष्ट्रीयता

ललित गर्ग

सेना के शौर्य पर समान की बजाय अपमान के बिगड़े बोल को लेकर राजनीतिक घमासान छिड़ जाना स्वाभाविक है। कर्नल सोफिया और विंग कमांडर योमिका सिंह के संबंध में क्रमशः मंत्री विजय शाह और सपा महासचिव राम गोपाल यादव द्वारा की गई टिप्पणियों पर राजनीतिक विवाद और कानूनी कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। बड़ा प्रश्न है कि या धर्म और जाति के नाम पर वोट के लिए सेना और सेना से जुड़ी बेटियों के समान को चोट पहुंचाई जाना उचित है? चाहे साा पक्ष हो या विपक्ष वाणी का संयम अपेक्षित है। भारतीय राजनीति में बिगड़े बोल, असंयमित भाषा एवं कड़ावपन की मानसिकता चिन्ताजनक है। ऐसा लगता है ऊपर से नीचे तक सड़कछाप भाषा ने अपनी बड़ी जगह बना ली है। यह ऐसा समय है जब शद सहमे हुए हैं, योंकि उनके दुरूपयोग की घटनाएं लगातार जारी हैं।

जब देश पहलगाम की त्रासद घटना एवं उसके बाद पाकिस्तान से बदला लेने की शौर्य की महत्वपूर्ण घटना के मोड़ पर खड़ा है, तब कुछ नेताओं के बिगड़े बोल बहुत दुखद और निंदनीय हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार के एक मंत्री विजय शाह एवं समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है। विजय शाह को राज्य मंत्रिमंडल से हटाने की मांग तेज हो गई है। कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ विजय शाह की विवादास्पद टिप्पणी एक ऐसा दाग है, जिसे आसानी से नजरंदाज नहीं किया जा सकता। यह मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा और मामला भी दर्ज हो गया, तो आश्चर्य नहीं । देश के नेताओं व मंत्रियों को ऐसी हल्की और स्तरहीन बातों से परहेज करना चाहिए।

नफरती सोच एवं हेट स्पीच का बाजार बहुत गर्म है। राजनीति की सोच ही दूषित एवं घृणित हो गयी है। नियंत्रण और अनुशासन के बिना राजनीतिक शुचिता एवं आदर्श राजनीतिक मूल्यों की कल्पना नहीं की जा सकती। नीतिगत नियंत्रण या अनुशासन लाने के लिए आवश्यक है सर्वोपरि राजनीतिक स्तर पर आदर्श स्थिति हो, अनुशासन एवं संयम हो, तो नियंत्रण सभी स्तर पर स्वयं रहेगा और इसी से देश एक आदर्श लोकतंत्र को स्थापित करने में सक्षम हो सकेगा। युद्ध जैसे माहौल में सेना एवं उसके नायकों का मनोबल बढ़ाने की बजाय उनके साहस एवं पराक्रम पर छींटाकशी करना दुर्भाग्यपूर्ण है। चर्चा में बने रहने के लिए ही सही, राजनेताओं के विवादित बयान गाहे-बगाहे सामने आ ही जाते हैं, लेकिन ऐसे बयान एक ऐसा परिवेश निर्मित करते हैं जिससे राजनेताओं एवं राजनीति के लिये घृणा पनपती है। यह सही है कि शब्द आवाज नहीं करते, पर इनके घाव बहुत गहरे होते हैं और इनका असर भी दूर तक पहुंचता है और देर तक रहता है। इस बात को राजनेता भी अच्छी तरह जानते हैं इसके बावजूद जुबान से जहरीले बोल सामने आते ही रहते हैं।

यह चिंताजनक है कि इधर के वर्षों में कुछ भी बयान दे देने की बुरी आदत बढ़ रही है। बिगड़े बोल वाले नेता बेलगाम हो रहे हैं। कोई दो राय नहीं कि पहले राजनीतिक दलों और उसके बाद सरकारों को इस मोर्चे पर अनुशासन एवं वाणी संयम का बांध बांधना चाहिए। विजय शाह करीब आठ बार चुनाव जीत चुके हैं, मतलब, अनुभवी नेता हैं, तो क्या वह चर्चा में रहने के लिए बिगड़े बोल का सहारा लेते हैं? सर्वोच्च न्यायालय में खिंचाई के बाद अब वह सफाई देने में लगे हैं। उन्होंने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि उनकी टिप्पणियों को संदर्भ से बाहर ले जाया गया और उनका मकसद कर्नल कुरैशी की बहादुरी की प्रशंसा करना था। उन्होंने यह भी कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी मेरी सगी बहन से भी बढ़कर हैं। वह माफी भी मांग रहे हैं, तो साफ है कि उनका पद खतरे में है। अगर वह पहले ही सावधानी बरतते या गलती होते ही माफी मांग लेते, तो मामला इतना नहीं बढ़ता। विजय शाह का मामला थमा भी नहीं है कि मध्य प्रदेश के ही उप- मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने भी बिगड़े बोल को अंजाम दे दिया है। उनका मानना है कि देश की सेना प्रधानमंत्री के सामने नतमस्तक है। वास्तव में, ऐसी गलतबयानी से किसी के भी सम्मान में वृद्धि नहीं होती है। देश अभी-अभी एक संघर्ष से निकला है। यह एकजुटता और परस्पर समन्वय बढ़ाने के लिए संभलकर बोलने का समय है। राष्ट्रीय एकता एवं राजनीतिक ताने-बाने को ध्वस्त कर रहे जहरीले बोल की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है।

संकीर्णता एवं राजनीति का उन्माद एवं 'हेट स्पीच' के कारण न केवल विकास बाधित हो रहा है, सेना का मनोबल प्रभावित हो रहा है, बल्कि देश की एकता एवं अखण्डता भी खण्ड-खण्ड होने के कगार पर पहुंच गयी है। राजनेताओं के नफरती, उन्मादी, द्वेषमूलक और भड़काऊ बोलों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने भी कड़ी टिप्पणियां की है। भाषा की मर्यादा सभी स्तर पर होनी चाहिए। कई बार आवेश में या अपनी बात कहने के चक्कर में शब्दों के चयन के स्तर पर कमी हो जाती है और इसका घातक परिणाम होता है। मुद्दों, मामलों और समस्याओं पर बात करने की बजाय जब नेता एक-दूसरे पर निजी हमले करने लगें तो यह उनकी हताशा, निराशा और कुंठा का ही परिचायक होता है। यह आज के अनेक नेताओं की आदत सी बन गई है कि एक गलती या झूठ छिपाने के लिए वे गलतियों और झूठ का अंबार लगा देते हैं। क्या यह सत्ता का अहंकार एवं नशा है? संसद में गलती एक बार अटल बिहारी वाजपेयी से भी हुई थी, उन्होंने तत्काल सुधार करते हुए कहा था कि चमड़े की जुबान है, फिसल जाती है। बेशक, अच्छा नेता वही होता है, जो गलतियां नहीं करता और अगर गलती हो जाए, तो तत्काल सुधारता है।

जिम्मेदार पदों पर बैठे नेताओं को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि उनके अच्छे-बुरे बोल व गलत-सही कारनामे इतिहास में दर्ज हो रहे हैं। ध्यान रखना होगा, पहले केवल शब्द वायरल होते हैं, पर अब शब्द के साथ वीडियो भी वायरल होता है। ध्यान रहे, समय के साथ मीडिया का बहुत विस्तार हुआ है और उसका एक बड़ा हिस्सा ऐसी ही गलतबयानी का भूखा है। उसे ऐसे ही बिगड़े बोल वाले कंटेंट की तलाश है। अतः कम से कम देश के जिम्मेदार दलों के नेताओं को कोई भी राष्ट्र-विरोधी अप्रिय या प्रतिकूल ध्वनि नहीं पैदा करनी चाहिए। अनेक राजनीतिक दलों के नेता ऐसे वक्तव्य देते हैं और विवाद बढ़ता देख बाद में सफाई देने से भी नहीं चूकते। वोट के लिए धर्म, सम्प्रदाय, जाति, समाज किसी को भी नहीं छोड़ा जा रहा। पार्टी कोई सी भी हो, नेता अपने विरोधियों के खिलाफ जहर उगलने से नहीं चूकते लेकिन सेना नायकों पर टिप्पणियां बहुत ही घातक है।

नेता चाहे सत्ता पक्ष से जुड़े हों या प्रतिपक्ष से, अक्सर वाणी असंयम एवं बिगड़े बोल में हदें पार कर देते हैं। सुप्रीम कोर्ट के समय-समय पर दिए गए निर्देशों की भी इन्हें परवाह नहीं है। पूरे विश्व में आज जब हिंदुस्तान का डंका बज रहा है, तो देश के भीतर और देश के बाहर बैठी 'भारत विरोधी शक्तियां' एकजुट होकर राष्ट्रीय एकता एवं लोकतांत्रित मूल्यों के ताने-बाने को क्षत-विक्षित करना चाहती है। ऐसी शक्तियां किसी भी तरह भारत से विकास का एक कालखंड छीन लेना चाहती हैं। उन्हें नेताओं के बिगड़े बोलों से ऊर्जा मिलती है। सोचने की बात तो यह है कि राजनीतिक भावनाओं एवं नफरती सोच को प्रश्रय देने वाले नेताओं का भविष्य भी खतरे से खाली नहीं हैं। उनका भविष्य कालिमापूर्ण है। उनकी नफरती कोशिशों पर देश एवं दुनिया की नजरें टिकी हैं। वे क्या बोलते हैं, क्या सोचते हैं, इसी से भारतीय लोकतंत्र की गरिमा दुनिया में बढ़ सकती है। जरूरत है कि हमारे राजनीति दल अपनी सोच को परिपक्व बनाये, मतभेदों को स्वीकारते हुए मनभेद को न पनपने दे।

राजनीतिक सिस्टम की रोग मुक्ति, स्वस्थ समाज एवं राष्ट्र का आधार होगा। राष्ट्रीय चरित्र एवं राजनीतिक चरित्र निर्माण के लिए नेताओं एवं उनके दलों को आचार संहिता से बांधना ही होगा। अब तो ऐसा भी महसूस होने लगा है कि देश की दंड व्यवस्था के तहत जहां 'हेट स्पीच' या बिगड़े बोल को नये सिरे से परिभाषित करने की आवश्यकता है वहीं इस समस्या से निपटने के लिए 'हेट स्पीच' एवं बिगड़े बोल को अलग अपराध की श्रेणी में रखने के लिए कानून में संशोधन का भी वक्त आ गया है?

खुद को बदल डालो, तुम औरों को नहीं बदल सकते

एक विद्वान ने कहा था की खुद को बदल डालो तुम औरों को नहीं बदल सकते यह अटल सच्चाई है और आधुनिक समय के हालातों पर सटीक फिट हो रही है द्य दुनिया में प्रत्येक मानव के अपने-अपने विचार हैं अपनी- अपनी संगत है अपने =अपने दायरे हैं अपनी अपनी खुशी है आदमी खुश रहना चाहिए द्य इंटरनेट की दुनिया में सब मस्त हैं चौबीस घंटे व्यस्त हैं द्य ग़लत काम के लिए वक़्त ही वक़्त है अच्छे काम के लिए वक़्त नहीं है द्य आज संस्कारों का अंतिम संस्कार होता जा रहा है द्य इंटरनेट की दुनिया ने सबको विद्वान् बना दिया है हर आदमी हरफ़नमोला बन चूका है द्य अपने से बड़ों का अपमान किया जा रहा है निरादर किया जा रहा है यह बहुत ही त्रासदी है द्य अहंकार हावी हो चूका है और मानव अहंकारी बनता जा रहा है द्य एक दूसरे को नीचा दिखाना मानव की फितरत बन चुकी है द्यखूनी रिश्तों में बढ़ता संक्रमण बहुत ही घातक होता जा रहा है और नैतिक मूल्यों में गिरावट एक त्रासदी बनती जा रही है द्यनैतिक मूल्यों का ह्रास होता जा रहा है व खूनी रिश्तों का आस्तित्व खत्म होता जा रहा है,नैतिक मूल्यों में गिरावट एक त्रासदी है समय रहते इस त्रासदी को रोकना होगा समाज को मंथन करना होगा तभी नैतिक मूल्यों की गिरावट रुक सकती है द्य अक्सर देखा गया है की नई पीढ़ी नैतिक मूल्यों को भूलती जा रही है द्य नैतिक मूल्यों का ह्रास बहुत ही चिंतनीय है बुद्धिजीवी वर्ग को समय रहते मनन करना होगा वरना बहुत देर हो जाएगी द्य आधुनिक मानव स्वार्थी होता जा रहा है खून के रिश्तों को तोड़ रहा है और गैरों को अपना बना रहा है द्य रिश्तों की बुनियाद हिलती जा रही है और जर्जर हो चुकी है दीवार का एक पत्थर भी निकल जाये तो दीवार कभी भी ढह सकती है और रिश्ते दफन हो सकते हैं द्यरिश्तों की दशा अब दुर्दशा में बदलती जा रही हैद्य मानव निजी हितों के लिए अनैतिक आचरण कर रहा हैद्य यह बहुत ही घातक है द्य जर,जोरू,जमीन के लिए रिश्तों का खून बहाया जा रहा है परिवार के परिवार खत्म हो रहे हैं जमीन के टुकड़े के लिए एक दूसरे के प्यासे हो चुके हैं द्य भाईचारा खत्म होता जा रहा नफ़रत के बीज बोये जा रहे हैं रिश्तों की दीवारें दरक रही हैं और नफ़रत की दीवारें खड़ी होती जा रही हैं द्य रिश्तों में असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है असंतोष पनपता जा रहा है रिश्तों में गहरी खाइयाँ होती जा रही हैंद्य विश्वास टूट रहे हैं अविश्वास बढ़ता जा रहा है द्य रिश्तों की मिठास खत्म हो रही है रिश्तों में कड़वाहट बढ़ती जा रही है द्य रिश्तों के बंधन टूट रहे हैं खून के रिश्तों में गांठे पड़ती जा रही हैं द्य नैतिक मूल्य नष्ट होते जा रहे हैं द्य रिश्तों की माला बिखर रही है माला के मनके इधर उधर बिखर रहे हैं द्य खूनी रिश्ते गुमशुदा व गुमनाम होने लगे हैं कुछ रिश्ते लापता हो चुके हैं लापता होचुके रिश्तों को ढूंढ़ना होगा द्य रिश्तों की वर्णमाला के अक्षर भी आगे पीछे हो चुके हैं द्य रिश्तों की इबारतें भी बदल चुकी हैं द्य गलतफहमी ने भी रिश्तों को तोड़ा हैं टूट चुके रिश्तों को जोड़ना चाहिए ताकि रिश्तों की जड़े सदैव हरी रहे अहंकार के कारण रिश्ते बिखर रहे हैं द्य माया के मोहजाल में फंस चूका मानव आज भटक चूका है माया में अंधा हो चूका है पथभ्र्स्ट हो चूका है संवेदना,करुणा,मानवता नाम की कोई चीज नहीं है एक दूसरे को नीचे गिराने के लिए अनैतिक कार्य कर रहे हैं द्य रिश्ते असुरक्षित होते जा रहे हैं डरावने होते जा रहे हैं भय का वातावरण बन चूका है द्य रिश्तों के सिद्धांत बदलते जा रहे हैं परिभाषा बदल चुकी है रिश्ते मतलबपरस्त होते जा रहे हैं द्य नेकी व भलाई व अच्छाई खत्म होती जा

रही है और बुराई का बोलबाला बढ़ता जा रहा है द्य रिश्तों में ग्रहण लग गया है एक दूसरे का अच्छा नहीं देख सकते द्य ईर्ष्या पनप रही है नतीजन सगे रिश्तों के सुख दुःख में शामिल नहीं होते केवल मात्र औपचारिकता निभाई जा रही है द्य चंद स्वार्थ के लिए रिश्ते टूट रहे हैं द्य रिश्तों की मशाल बुझती जा रही है द्य रिश्तों में बिखराव बड़े पैमाने पर बढ़ता जा रहा है द्य रिश्ते अर्थहीन होते जा रहे हैं द्य रिश्तों का स्वरूप बिगड़ चूका है द्य समाज को इस पर समीक्षा करनी होगी द्य रिश्तों में बढ़ती दूरियों को पाटना होगा एक सेतु बनाना होगा बिखर चुके रिश्तों को समेटना होगा ताकि रिश्तों की मशाल निर्बाध रूप से जलती रहे द्य बिखर चुके रिश्तों को संग्रहीत करना होगा नफ़रत के बीजों को नष्ट करना होगा द्य अपवित्र हो चुके रिश्तों को गंगाजल से पवित्र करना होगाद्य खानाबदोशों की तरह बिखर चुके व भटक चुके रिश्तों को इकठा करना होगा द्य रिश्तों में विश्वास लाना होगा ताकि विश्वास बरकरार रहे द्य रिश्तों का व्याकरण बदल चूका है द्य प्रस्तावना से सारांश तक रिश्ते बदलते जा रहे हैं द्य बिखर चुके खून के रिश्तों का विश्लेषण करना होगा रिश्तों की इस तबाही को रोकना होगा द्य नैतिक मूल्यों का क्षरण रोकना होगा द्य भटक चुके मानव को नैतिक मूल्यों का पाठ पढ़ाना चाहिए ताकि एक स्वस्थ समाज बन सके द्य मानवीय मूल्यों को बचाना होगा द्य आधुनिक मानव माया के लालच में रिश्ते नाते भूलता जा रहा है मोबाइल पर व्यस्तता बहुत बढ़ गई है किसी से कोई मतलब नहीं है मोबाइल ही सच्चा साथी बन गया है मोबाइल ने रिश्तों में दूरियां पैदा कर दी हैंद्य मानव की संवेंदनायें मृतप्राय हो चुकी हैं और मानव संवेंदनहीन हो चूका है,कौन जी रहा कौन मर रहा है कोई सरोकार नहीं है द्य यह बहुत ही त्रासदी है चौबीस घंटे इंटरनेट की दुनिया में मस्त है चौबीस घंटे भी कम होने लगे है द्य दिन रात आभासी दुनिया में अनावश्यक ही व्यस्त रहता है द्य व्यस्तता इतनी बढ़ गई है कि माँ बाप के साथ बात तक करने को समय नहीं है द्य एक समय था कि आदमी एक दूसरे के दुःख सुख में शामिल होता था लेकिन आज किसी के पास एक मिनट का भी समय नहीं है द्य रिश्ते नाते खत्म होते है रहे हैं रिश्तों का कत्लेआम किया जा रहा है चंद स्वार्थ के लिए रिश्ते तोड़े जा रहे हैं द्य समाज में भाई चारा खत्म होता जा रहा है एक दूसरे को नीचा दिखाने कि होड़ लगी है द्य सोशल मीडिया पर हर समय व्यस्त रहते हैं द्य आज गरीब रिस्तेदार व भाई से नफ़रत की जाती हैद्य आभासी दुनिया तक ही सीमित हो चुके है द्य यह पतन कि पराकाष्ठा है द्य सवेंदना की परिभाषा बदल चुकी हैं और लोग संवेंदनहीन होते जा रहे हैं द्य आज सड़कों पर आदमी तड़फ तड़फ कर मर रहा है लोग सहायता तो नहीं करते वीडियो जरूर बनाते हैं द्य अगर समय पर अस्पताल ले जाएँ तो जान बच सकती है ऐसे वीडियो बनाने वालों पर कानूनी कारवाही करनी चाहिए द्य समाज किसी तरफ जा रहा हैं यह एक यक्ष प्रश्न बन गया है द्य नैतिक मूल्यों का पतन हो चूका है इस पतन को रोकना होगा द्य आज मानव फितरती होता जा रहा है द्य अहंकार से लवालब भर चूका है द्य अहंकार ने पता नहीं कितने ही सच्चे रिश्तों का वजूद खत्म कर दिया है द्य रिश्तों को दीमक लग चुकी है तथा रिश्ते टूट रहे हैं द्य नैतिक मूल्यों का पालन करना होगा द्य रिश्तों को बचाना समाज हित में है

ग्राम कठौतिया में सुशासन तिहार 2025 के तहत शिविर संपन्न, 1939 आवेदनों का हुआ त्वरित निराकरण

70 लाख लोग महतारी वंदन का लाभ ले रहे है...प्रभारी मंत्री

सरकार की योजना जरूरतमंदों तक पहुंच इसके लिए जनप्रतिनिधि रहे सजग

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम कठौतिया में सुशासन तिहार 2025 के तीसरे चरण के अंतर्गत एक दिवसीय शिविर का आयोजन प्रभारी मंत्री एवं छत्तीसगढ़ शासन में आदिम जाति विकास, अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम के मुख्य आतिथ्य में किया गया। यह आयोजन 8 अप्रैल से 11 अप्रैल तक आयोजित जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की श्रृंखला का हिस्सा रहा। शिविर की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का दीप प्रज्वलन के साथ हुई, दीप प्रज्वलन के पश्चात जनप्रतिनिधियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया। शिविर में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, भरतपुर-सोनहत विधायक श्रीमती रेणुका सिंह, बैकुंठपुर विधायक भैयालाल राजवाड़े, भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती चम्पा देवी पावले उपस्थित रही। शिविर में शासन की विभिन्न जनहितैषी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। सभी विभागों से प्राप्त कुल 2479 आवेदनों में से 1939 का त्वरित निराकरण किया गया, जबकि शेष 540 आवेदन प्रक्रियाधीन हैं। ग्रामीणों को बताया गया कि यह शिविर न केवल जानकारी देने का माध्यम है, बल्कि समस्याओं के तत्काल समाधान का भी एक मंच है। शिविर में शंकरगढ़, कठौतिया, बेलबहरा, सिरौली, कोथारी, खैरबना, सिरियाखोड, पिपरिया, हस्तिनापुर, डंगौरा, भल्लौर, साल्ही, डोमनापारा, परसगढ़ी तथा लालपुर के सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लिया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे, जिन्होंने अपने-अपने विभाग से संबंधित चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन कैसे किया जा रहा है और आप इनका लाभ कैसे ले सकते हैं।

अतिथियों ने गर्भवती माताओं की गोद भराई के नन्हें बच्चों का किया अन्नप्राशन संस्कार

महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से गोद भराई योजना के अंतर्गत कृष्णा कुमारी, ललिता, रीना बैगा, देववती, सुभद्रा, निरोजना, गंगा कुंवार, रामवती, शशिकला और प्रियावती को लाभ प्रदान किया गया। इस योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को पोषण और स्वास्थ्य संबंधी सहायता दी जाती है। कार्यक्रम में राज, अयान, रियान्स, आरू, अंशिका सिंह, संतोषी, रीति, मानसी, सार्थक, रुली, अंशुल और सुमन सिंह का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया गया, जिसमें बच्चों को पहली बार अन्न ग्रहण कराया गया। नोनी सुरक्षा योजना के अंतर्गत रीता, आकृति यादव, आलिया, सुभांसी और अनुष्का यादव को नोनी सुरक्षा योजना के अंतर्गत लाभ दिया गया। इसके अतिरिक्त अंकिता, आयुषी, श्रेया, उर्वी, मया पुरी, पल्लवी, रंजना, वैष्णवी, भव्या, आंचल और संध्या को सुकन्या समृद्धि योजना का लाभ मिला। वहीं शिविर में गीता, पूजा, कौशल्या, रामबाई, संपत्ति और सोमवती को स्वच्छता किट भी वितरित की गई। साथ ही रामचंद्र, गोविंद, वीरसिंह, देवनारायण, संजू, उर्मिला, अनिल कुमार और राम नारायण को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) एवं पीएम जनमन योजना के पूर्ण आवास की चाबियां सौंपी गईं।

कृषि वैज्ञानिक अब लैब में नहीं लैण्ड में आकर करेंगे रिसर्च...प्रभारी मंत्री

प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम ने अपने उद्बोधन में सुशासन की सराहना करते हुए कहा कि विष्णुदेव साय की सरकार लगातार विकास कर रही है। इसके साथ उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की लॉन्चिंग योजना का जिक्र करते हुए बताया कि देश 16000 साइंटिस्ट जो लैब में रिसर्च कर रहे है अब वे लोग आपके लैण्ड पर आकर रिसर्च करेंगे। जिससे आपके खेत की पैदावार बढ़ाई जा सके। इसके लिए योजना बनाई जा रही है। एक रथ होगा जो गांव-गांव में जाकर आपके जमीन का नमूना लेगा। उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए 51 लाख रुपये के कार्यों की स्वीकृति दी है, इस दौरान उन्हें बताया कि ग्राम पंचायत लालपुर में आईटीआई परिसर के लिए जल आपूर्ति योजना लागू की जाएगी, जिससे पानी की समस्या का स्थायी समाधान होगा। इसके लिए 3.30 लाख रुपये स्वीकृत किये। वहीं ग्राम पंचायत पिपरिया के शासकीय हाई स्कूल भवन की छत एवं महिला शौचालय के मरम्मत कार्य के लिए 9.94 लाख रुपये आवंटित किये। ग्राम पंचायत बेलबहरा में शासकीय प्राथमिक स्कूल कोलपारा के उन्नयन के लिए 4.09 लाख रुपये और सालपुर के प्राथमिक स्कूल कलमडांड में अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए 10 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। लालपुर की माध्यमिक स्कूल मरम्मत पर 3.70 लाख रुपये का बजट रखा गया है। इसके अलावा, प्राथमिक स्कूल कोथारी एवं परसगढ़ी में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य के लिए क्रमशः 10-10 लाख रुपये की राशि निर्धारित की गई है। यह सभी कार्य शिक्षा क्षेत्र में सुधार और बेहतर संसाधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं, जिससे स्थानीय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो सके।

सरकार की योजनाओं का लाभ गांव के गरीबों को मिले

भरतपुर-सोनहत विधायक श्रीमती रेणुका सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा की सुशासन तिहार 8 अप्रैल से 31 मई तक तीन चरणों में चल रहा है, जिसका उद्देश्य जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री बिना किसी पूर्व सूचना के जनता के बीच पहुँचकर उनकी समस्याएं सुन रहे हैं। जिससे लोगों का सरकार पर विश्वास और मजबूत हो। उन्होंने कहा कि तेज धूप के बावजूद बड़ी संख्या में लोग शिविरों में आकर अपनी समस्याएं और विकास संबंधी मांगें रख रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि वे लोगों की मूलभूत समस्याओं का गंभीरता से समाधान करें। श्रीमती सिंह ने वरिष्ठ नेता रामविचार नेताम की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास कार्य किए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि महतारी वंदन योजना से छूटे हुए नामों को जल्द जोड़ा जाएगा। भरतपुर की वंदना सिंह को छत्तीसगढ़ की मेरिट लिस्ट में 10 वीं रैंक हासिल करने पर बधाई दी और कहा कि वे इस क्षेत्र में शिक्षा को प्राथमिकता दे रही हैं। अंत में उन्होंने सभी ग्रामीणों का सुशासन तिहार में शामिल होने के लिए धन्यवाद दिया।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि ग्राम पंचायत कठौटिया में सुशासन तिहार शिविर का आयोजन हुआ। हमारे बीच प्रभारी मंत्री और भरतपुर सोनहत विधायक श्रीमती रेणुका सिंह भी उपस्थित हैं, जो हमारे लिए बहुत गर्व और खुशी की बात है। उन्होंने किसानों द्वारा 3100 क्विंटल धान की उपलब्धि को भी सराहा और जनकपुर क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। साथ ही, महतारी वंदन योजना की राशि का सही और प्रभावी उपयोग करने तथा किसानों को जरूरत ना पडने पर पैसे नहीं खर्च करने की सलाह दी साथ ही ये भी कहा की प्रदेश में अब तक 18 लाख आवास स्वीकृत हो चुके हैं, साथ ही उन्होंने ग्रामीणों को बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने की भी अपील की।

शिविर में मुख्य अतिथियों के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभान्वित किया गया। जिसमें स्वास्थ्य विभाग द्वारा अजय कुमार, श्री पतपाल सिंह, सोहनिया बाई और गजानंद को आयुष्मान भारत कार्ड प्रदान किया गया। जिसके माध्यम से वे अब निःशुल्क इलाज की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। आदिम जाति विकास विभाग द्वारा राम बाई, धर्मराज सिंह, रामप्रसाद सिंह, देवनारायण सिंह, शोभरन सिंह, लक्ष्मण सिंह, लल्लू सिंह वन अधिकार पत्र वितरण किया गया।

मुख्यमंत्री तथा मंत्रियों द्वारा स्वेच्छानुदान की राशि का किया वितरण

मुख्य अतिथियों के द्वारा स्वीकृत स्वेच्छानुदान मद की राशि के चेक हितग्राहियों को वितरित किया गया। इस अवसर पर ग्राम तारा बहरा निवासी नरेंद्र को 5 लाख रुपये की राशि का चेक प्रदान किया गया।वहीं, ग्राम तारा बहरा के ही निवासी राकेश कुमार यादव, राम प्रसाद सूर्यवंशी, धीर साई तथा तीरथ प्रसाद सूर्यवंशी को 1-1 लाख रुपये की राशि के चेक वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त, राम सकल आयाम, भुनेश श्रीवास्तव, सुनील तथा शिव प्रसाद चेरवा को क्रमशः 50-50 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया। प्रभारी मंत्री के द्वारा शिविर में ग्रामीणों को जल संसाधनों के सतत एवं विवेकपूर्ण उपयोग की जानकारी दी गई और "पानी बचाओ" की सामूहिक शपथ दिलाई गई। उपस्थित ग्रामीणों ने जल संरक्षण हेतु अपने कर्तव्यों का निष्ठा से पालन करने का संकल्प लिया।

शिविर में जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह, जिला सदस्य श्री राजेश साहू, उदित नारायण, रामजीत लकड़ा, अनीता सिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष जानकी बाई खुसरो, जनपद सदस्य पूजा कोल, कविता बसोर, रवि कुमार, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने शिविर की सफलता में सक्रिय भूमिका निभाई और ग्रामीणों की समस्याओं का यथासंभव समाधान सुनिश्चित किया।

आयोग ने झारखंड के बीएलओ पर्यवेक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (ष्टश्वष्ट) श्री ज्ञानेश कुमार ने आज नई दिल्ली स्थित भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र और निर्वाचन प्रबंधन संस्थान (ढ्ढढ्ढष्ठश्वरू) में झारखंड के फ्रंटलाइन निर्वाचन कर्मियों के लिए दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में कुल 402 प्रतिभागी शामिल हैं, जिनमें डीईओ, ईआरओ, बीएलओ और बीएलओ पर्यवेक्षक शामिल हैं। पिछले तीन महीनों में, आयोग ने ढ्ढढ्ढष्ठश्वरू में देशभर के 3000 से अधिक प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया है। अपने उद्घाटन भाषण में, मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने झारखंड में मतदाताओं के नामांकन के दौरान प्रतिभागियों द्वारा जमीनी स्तर पर किए गए उत्कृष्ट कार्य और समर्पण की सराहना की। उन्होंने प्रतिभागियों से अपील की वे जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 24(क) और 24(ख) के अंतर्गत प्रथम और द्वितीय अपीलों के प्रावधानों से मतदाताओं को अवगत कराएं।

यह उल्लेखनीय है कि अंतिम मतदाता सूची के विरुद्ध प्रथम और द्वितीय अपील क्रमशः जिलाधिकारी/जिला कलेक्टर/कार्यपालक दंडाधिकारी और राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के पास की जा सकती हैं। 6 से 10 जनवरी 2025 तक विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (स्स्ह्र) प्रक्रिया पूरी होने के बाद झारखंड से कोई अपील दाखिल नहीं की गई थी। सही और अद्यतन मतदाता सूची सुनिश्चित करने में प्रमुख भूमिका निभाने वाले इन प्रतिभागियों को जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950, 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960, निर्वाचन संचालन नियम, 1961 और समय-समय पर आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार कार्य करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के पाठ्यक्रम में इंटरैक्टिव सत्र, भूमिकाओं का अभिनय, घर-घर सर्वेक्षण का अनुकरण, केस स्टडी और फॉर्म 6, 7 और 8 भरने के व्यावहारिक अभ्यास को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों को वोटर हेल्पलाइन ऐप (ङ्घ) और अन्य आईटी टूल्स पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षणार्थियों को ईवीएम और वीवीपैट्स का तकनीकी प्रदर्शन एवं मॉक पोल की प्रक्रिया का भी प्रशिक्षण दिया गया। ढ्ढढ्ढष्ठश्वरू में छत्तीसगढ़ के फील्ड के निर्वाचन अधिकारियों का प्रशिक्षण मई के अंतिम सप्ताह में होना प्रस्तावित है ।

सूरजपुर में साल्वेंट प्लांट से 25 लाख की लूट, करीब 50 लोगों ने विवाद के बाद तोड़फोड़ भी की

संचालक को बंधक बनाने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सूरजपुर (निप्र)। सूरजपुर में साल्वेंट प्लांट से 25 लाख की लूट की खबर है। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार रात साढ़े आठ बजे करीब 50 लोगों ने प्लांट पर धावा बोल दिया। आरोपियों ने प्लांट के संचालक आशीष मित्तल और अमन मित्तल को बंधक बना लिया। हालांकि फिलहाल पुलिस ने वारदात की पुष्टि नहीं की है।

मामला कोतवाली थाना इलाके के नेवरा ग्राम स्थित साल्वेंट फैक्ट्री का है। बताया जा रहा है कि, प्लांट का आसपास के ही गांव वालों से रुपयों की लेन-देन से जुड़ा विवाद था। इसके बाद आसपास के ही करीब 50 से ज्यादा लोगों ने प्लांट में घुसकर तोड़फोड़ की।

लोगों ने कई मशीन को नुकसान पहुंचाया और पैसे लेकर भाग गए। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई है और जांच में जुटी है। हालांकि अभी कोई बयान सामने नहीं आया है। वहीं स्थानीय व्यापारियों ने सुरक्षा की मांग की है।

वारदात के बाद पुलिस क्षेत्र में तनाव को शांत करने में भी जुटी है।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया गया है। विवाद करने वाले लोगों की भी पहचान की जा रही है। इधर, घटना के बाद अमन मित्तल को उनके बड़े भाई जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनका इलाज किया गया। अमन मित्तल की हालत अब स्थिर है।

स्थानीय लोगों से मिली जानकारी अनुसार कोतवाली पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई है। प्रारंभिक जांच में लेन-देन के विवाद को घटना का मुख्य कारण माना जा रहा है। पुलिस ने लुटेरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है और जल्द ही दोषियों को गिरफ्तार करने की बात कही है।

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में शिक्षकीय एवं गैर-शिक्षकीय पदों पर भर्ती हेतु वॉक-इन इंटरव्यू

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, अटल नगर नवा रायपुर द्वारा जारी विभिन्न आदेशों के तहत जिले में संचालित स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में रिक्त शिक्षकीय एवं गैर-शिक्षकीय पदों पर अस्थायी नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। इन पदों पर संविदा अथवा प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्ति की जाएगी।

जिले के जिन विद्यालयों में यह नियुक्तियां की जानी हैं, उनमें चिरमिरी, मनेन्द्रगढ़, भरतपुर, केल्हारी, नवापारा पोंड़ी, खड़गवां और पोंड़ी बचरा स्थित स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल शामिल हैं। इन विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण अंग्रेजी माध्यम शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से योग्य शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

इच्छुक अभ्यर्थियों को वॉक-इन इंटरव्यू के माध्यम से चयन प्रक्रिया में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया गया है। उन्हें अपने शैक्षणिक प्रमाण पत्रों और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की स्व प्रमाणित प्रतियों के साथ निर्धारित तिथि और स्थल पर स्वयं उपस्थित होकर आवेदन प्रस्तुत करना होगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे आवेदन से पूर्व शैक्षणिक अर्हता, चयन प्रक्रिया, आवेदन प्रारूप तथा पदों की विस्तृत जानकारी जिले की आधिकारिक वेबसाइट https://manendragarh-chirmiri-bharatpur.cg.gov.in/ पर अवश्य देखें।

रीवा की खबरें

जल गंगा संवर्धन अभियान की निगरानी के लिए 6 दल तैनात

मीडिया ऑडीटर, रीवा(निप्र)। संभाग के सभी जिलों में 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत सभी जिलों में नदियों के उ–म स्थल की साफ-सफाई, जल स्रोतों की सफाई, जल संरक्षण संरचनाओं में सुधार तथा नई जल संरचनाओं के निर्माण का कार्य किया जा रहा है। कमिश्नर बीएस जामोद ने जल संरक्षण कार्यों की निगरानी के लिए संभागीय अधिकारियों के 6 दल तैनात किए हैं। सभी दल निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिलों का भ्रमण करके जल संरक्षण कार्यों की निगरानी करेंगे। जिलों में जल संरक्षण के प्रयासों को गति देंगे। कमिश्नर ने अधिकारियों को हर सप्ताह निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। कमिश्नर ने कहा है कि दल के अधिकारी जल संरक्षण के कार्यों के साथ-साथ शासन की सभी महत्वपूर्ण योजनाओं और विभागीय कार्यों का भी निरीक्षण कर प्रतिवेदन दें। जारी आदेश के अनुसार दल क्रमांक एक में संयुक्त संचालक कृषि, अधीक्षण यंत्री पीएचई, संयुक्त संचालक स्कूल शिक्षा, संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन तथा क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य को शामिल किया गया है। दल क्रमांक दो में मुख्य अभियंता जल संसाधन, संयुक्त संचालक मण्डी बोर्ड, संयुक्त संचालक उद्यानिकी, उप संचालक मछली पालन तथा संयुक्त आयुक्त सहकारिता को शामिल किया गया है। दल क्रमांक तीन में मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग, संयुक्त संचालक पशुपालन, संयुक्त संचालक उद्योग, खाद्य नियंत्रक, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी तथा संभागीय समन्वयक जन अभियान परिषद को शामिल किया गया है। दल क्रमांक चार में अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा, अधीक्षण यंत्री लोक निर्माण विभाग, उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग, संभागीय प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम तथा मैनेजर डेयरी को शामिल किया गया है। दल क्रमांक पाँच में मुख्य अभियंता विद्युत मण्डल, कार्यपालन यंत्री एनएचआई, अधीक्षण यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, मुख्य महाप्रबंधक ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण तथा संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास को शामिल किया गया है। दल क्रमांक 6 में संभागीय प्रबंधक सड़क विकास निगम, संभागीय आयुष अधिकारी, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय, कार्यपालन यंत्री सेतु निगम तथा उपायुक्त आबकारी को शामिल किया गया है। रिजर्व दल में संयुक्त आयुक्त कमिश्नर कार्यालय, मुख्य अभियंता पीआईयू, क्षेत्रीय प्रबंधक मार्कफेड, संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा तथा क्षेत्रीय खनिज अधिकारी को शामिल किया गया है।

वनाधिकार पर कार्यशाला 23 मई को

मीडिया ऑडीटर, रीवा(निप्र)। वनाधिकार अधिनियम 2006 के क्रियान्वयन के संबंध में संभागीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला 23 मई को आयोजित की जा रही है। इस संबंध में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि कार्यशाला सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक विन्ध्या रिट्रीट होटल में आयोजित की जा रही है। इसमें रीवा तथा मऊगंज के कलेक्टर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, वन मण्डलाधिकारी एवं जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग शामिल रहेंगे।

ई केवाईसी में लापरवाही बरतने पर सेल्समैन तथा दुकान निलंबित

मीडिया ऑडीटर, रीवा(निप्र)। खाद्य सुरक्षा योजना के सभी हितग्राहियों की ई केवाईसी अपडेशन का कार्य किया जा रहा है। ई केवाईसी अपडेशन में लापरवाही बरतने पर उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन और दुकान को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश दिए गए हैं। इस संबंध में जिला आपूर्ति अधिकारी कमलेश तांडेकर ने बताया कि त्योंथर तहसील में उचित मूल्य दुकान कोनियाखुर्द के सेल्समैन गजेन्द्र सिंह को ई केवाईसी न करने पर कारण बताओ नोटिस दिया गया था। इसके बावजूद ई केवाईसी में लापरवाही बरतने पर एसडीएम त्योंथर संजय जैन ने सेल्समैन गजेन्द्र सिंह को निलंबित करने के आदेश दिए हैं। उचित मूल्य दुकान कोनियाखुर्द को आवश्यक खाद्यान्न वितरण के लिए उचित मूल्य दुकान कोटराखुर्द से संबद्ध कर दिया गया है। इसी तरह सिरमौर विकासखण्ड में स्वसहायता समूह द्वारा संचालित उचित मूल्य दुकान बंदराव तिवरियान में भी ई केवाईसी करने में लापरवाही बरतने पर एसडीएम द्वारा नोटिस दिया गया नोटिस का उत्तर न देने तथा ई केवाईसी कार्य में प्रगति न होने पर एसडीएम सिरमौर आरके सिन्हा ने उचित मूल्य दुकान बदराव तिवरियान को निलंबित करने तथा इसे सेवा सहकारी समिति बदराव से संबद्ध करने के आदेश दिए हैं। यह कार्यवाही सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश के तहत की गई है।

कृषि उत्पादन आयुक्त 18 जून को करेंगे कृषि विकास की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, रीवा(निप्र)। कृषि उत्पादन आयुक्त कलेक्ट्रेट सभागार रीवा में 18 जून को आयोजित बैठक में कृषि विकास की समीक्षा करेंगे। बैठक में कृषि, सहकारिता, उद्यानिकी, पशुपालन, मछली पालन, डेयरी, खाद्य प्रसंस्करण, मार्कफेड तथा कृषि विकास से जुड़े अन्य विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की जाएगी। बैठक में रबी फसल 2024-25 की उपलब्धियों तथा खरीफ फसल 2025 की तैयारियों की भी समीक्षा की जाएगी

तहसीलदार जवा ने 14 पटवारियों का काटा एक दिन का वेतन

मीडिया ऑडीटर, रीवा(निप्र)। तहसीलदार जवा जितेन्द्र तिवारी ने 14 लापरवाह पटवारियों का एक दिन का वेतन काटकर उसे राजसात करने के आदेश दिए हैं। राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक में बिना सूचना के अनुपस्थित रहने, सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने, सौंपे गए कार्य में रूचि न दिखाने तथा कारण बताओ नोटिस का संतोषजनक उत्तर न देने पर यह कार्यवाही की गई है। जारी आदेश के अनुसार पटवारी रामजी शर्मा हल्का गढ़वा, राजकमल साहू हल्का रौली, पुष्पेन्द्र पटेल हल्का उपरवार, अंकिता सिंह हल्का किरहाई तथा रोहित सिंह हल्का कल्याणपुर का वेतन काटने के आदेश दिए गए हैं। इसी तरह पटवारी प्रियंका उचाड़िया हल्का परिहारिनपुर्वा, रामप्रसाद माझी हल्का पुरौना, रजनीश सिंह बघेल हल्का वीरपुर तथा नष्टिगवां एवं अंकित शुक्ला हल्का इटमा का भी एक दिन का वेतन काटने के आदेश दिए गए हैं। पटवारी रामाश्रय कोल हल्का भनिगवां, योगेश डाबर हल्का जतरी, अमन बाथम हल्का पतेरी, सुषमा वर्मा हल्का इटौरी तथा पटवारी वीरेन्द्र मासतकर हल्का गड़ेहरा के विरूद्ध भी वेतन काटने की कार्यवाही की गई है।

युवा संगम कार्यक्रम 26 मई को सतपुड़ा आईटीआई रीवा में

मीडिया ऑडीटर, रीवा(निप्र)। जिला रोजगार कार्यालय एवं सतपुड़ा आईटीआई रीवा के संयुक्त तत्वाधान में 26 मई को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक सतपुड़ा आईटीआई रीवा में युवा संगम कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। युवा संगम कार्यक्रम के तहत आयोजित रोजगार मेले में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 10 कंपनियों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों में युवक एवं युवतियों की आयु सीमा अलग-अलग निर्धारित की गई है। वेतन एवं भत्ते 8500 रुपए से 25 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। वेतन एवं भत्ता विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग देय होगा। युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा। उप संचालक ने बताया कि रोजगार मेले में ट्रायडेन्ट कंपनी बुधनी, सीहोर, शक्ति पंप इंडिया लि. पीथमपुर धार, ग्रोफास्ट एग्रिटेक प्रा. लि. जबलपुर, प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा. लि. रीवा, एचडीएफसी लाइफ इश्योरेन्स कंपनी लिमि. रीवा, प्रगतिशील बायोटेक प्रा. लि. रीवा, महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा नासिक महाराष्ट्र, ख्याति शील्ड वेन्टुरेज प्रा. लि. रायपुर छत्तीसगढ़, विन्ध्या टेलीलिंक लि. चोरहटा रीवा तथा कन्टेम्परेरी सर्विसेज कॉर्पोरेशन इंडिया प्रा. लि. (सीएससी) इंदौर में रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे।

अटारी-वाघा बॉर्डर पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली रिट्रीट सेरेमनी

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब में भारत-पाकिस्तान के बीच बने अटारी-वाघा बॉर्डर पर मंगलवार (20 मई) को 12 दिन बाद रिट्रीट सेरेमनी हुई। ये सेरेमनी करीब 1 घंटा तक चली। 6-7 मई की रात भारत की पाकिस्तान पर 'ऑपरेशन सिंदूर' एयर स्ट्राइक के बाद इसे 7 मई को बंद कर दिया गया था।

बीएसएफ की तरफ से इसमें कुछ बदलाव किए गए हैं। रिट्रीट के दौरान भारत और पाकिस्तान सीमा पर बने गेट बंद रखे गए। दोनों देशों के जवानों ने एक-दूसरे से हाथ भी नहीं मिलाया। इस दौरान बीएसएफ की महिला जवानों की टुकड़ी ने भी परेड की।

भारत की तरफ से रिट्रीट देखने के लिए भारी संख्या में लोग तिरंगा लेकर पहुंचे। क्क्स्न जवानों ने जोश दिखाया तो उन्होंने सीटी और तालियां बजाई। हालांकि पाकिस्तान की तरफ वाली गैलरी खाली दिखी। भीड़ दिखाने के लिए पाकिस्तानी रेंजर्स ने वहां के वर्कर्स को गैलरी में बिठाया।

अटारी-वाघा के अलावा फिरोजपुर में हुसैनीवाला और फाजिल्का में सादकी बॉर्डर पर भी रिट्रीट हुई। बता दें कि रिट्रीट सेरेमनी साल 1959 से दोनों देशों के बीच रिवाज के तौर पर हो रही है।

यूट्यूबर ज्योति, आईएसआई एजेंट की वॉट्सएप चैट मिली

हिसार(एजेंसी)। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की पाकिस्तानी हैंडलर के साथ वॉट्सएप चैट मिली है। हरियाणा पुलिस के सूत्रों ने भास्कर को बताया कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ज्योति के जरिए भारत के रॉ एजेंट्स की मौजूदगी का पता लगाना चाहती थी।

ज्योति और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के अधिकारी अली हसन के बीच हुई चैट मौजूद है। इसमें हसन ने ज्योति से पूछा था कि जब वह अटारी बॉर्डर गई थी, तब उसे वहां कोई अंडरकवर पर्सन मिला था क्या।

ज्योति और अली हसन ने इस मुद्दे पर लंबी बातचीत की थी। पुलिस सोर्सेज के मुताबिक इसी वजह से ज्योति से पूछताछ में राष्ट्रीय जांच एजेंसी शामिल हुई है।

सोमवार को एनआईए ज्योति को अपने साथ चंडीगढ़ ले गई, जहां उससे 7 घंटे तक पूछताछ हुई। एनआईए को शक है कि ज्योति ने आईएसआई के साथ सीक्रेट इन्फॉर्मेशन शेयर की है।

इंटेलिजेंस ब्यूरो और मिलिट्री इंटेलिजेंस के अधिकारी भी उससे पूछताछ में जुटे हैं। ज्योति हर बात का यही जवाब दे रही है कि उसका आईएसआई से कोई संबंध नहीं है। वहीं, हरियाणा सरकार जल्द यूट्यूबरों पर पाबंदियों लगाएगी। इसके लिए बाकायदा स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर बनाया जाएगा। सीएम नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को आदेश दिए कि ज्योति मल्होत्रा जैसे केस फिर सामने न आएं, इसलिए पाकिस्तान से किसी भी तरह जुड़े यूट्यूब चैनलों पर नजर रखें और उनका डेटा खंगालें।

मुंबई में 2 कोरोना पॉजिटिव की मौत

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के च्श्वरूअस्पताल में सोमवार को 2 कोविड पॉजिटिव मरीजों की मौत हुई है। हालांकि डॉक्टरों का कहना है कि इनकी मौत कोविड से नहीं, बल्कि पुरानी बीमारियों की वजह से हुई है। एक मरीज को मुंह का कैंसर था और दूसरे को किडनी से जुड़ी बीमारी नेफ्रोटिक सिंड्रोम थी। इधर, एशिया के सिंगापुर, हॉन्गकॉन्ग, चीन और थाईलैंड में कोरोना वायरस के मामले फिर से बढ़ रहे हैं। इन देशों में नए मामलों की संख्या में इजाफा हो रहा है। सिंगापुर में 1 मई से 19 मई के बीच 3000 मरीज सामने आए हैं। अप्रैल के आखिरी हफ्ते तक ये संख्या 11,100 थी। यहां मामलों में 28त्न का इजाफा हुआ है। हॉन्गकॉन्ग में जनवरी से अब तक 81 मामले सामने आए हैं। इनमें से 30 की मौत हो चुकी है। चीन और थाईलैंड में भी अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि, यहां मरीजों की संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। भारत में 1 जनवरी से 19 मई तक 257 मामले सामने आए हैं।

लालबाग के ऐतिहासिक स्थल के सौंदर्यीकरण व पर्यटन संवर्धन हेतु 24 महीने में होगा पुनर्निर्माण : मुयमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को इंदौर के ऐतिहासिक स्थल लालबाग पैलेस पहुंचकर होल्कर राजवंश के संस्थापक सूबेदार मल्हारराव होल्कर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने 47.59 करोड़ रूपये लागत से लालबाग पैलेस के जीर्णोद्धार एवं उद्यान पुनर्विकास कार्य का भूमि-पूजन किया। उन्होंने लालबाग पैलेस का भ्रमण भी किया, जहां उन्होंने महल की ऐतिहासिक संरचना और सौंदर्य का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण के प्रयास कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए बैठक कक्ष, क्राउन हॉल, बैंकेट हॉल, दरबार हॉल, किंग्स ऑफिस, मंत्रणा कक्ष, पश्चिमी बैठक कक्ष, भारतीय भोजन कक्ष पुरुष एवं महिला, बॉल रूम आदि की विशेषताओं की

जानकारी प्राप्त की। आर्किटेक्ट श्री पुनीत सोहल द्वारा लालबाग पैलेस परियोजना का प्रजेंटेशन दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को उन्होंने लालबाग पैलेस के जीर्णोद्धार एवं पुनर्विकास के लिए किए गए कार्य एवं आगामी कार्य योजना से अवगत करवाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस महत्वाकांक्षी कार्य के सफलतापूर्वक पूर्ण होने की कामना व्यक्त की। यह कार्य लालबाग के समृद्ध इतिहास और उसकी पुनः प्रतिष्ठा के लिए एक नई शुरुआत का प्रतीक है। उद्यान और होल्कर्स की विरासत को जीवंत रखने, उद्यान को सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधि स्थल के रूप में विकसित करने एवं ऐतिहासिक अवधारणा पर आधारित रचना अनुसार पुन:विकसित करने के उद्देश्य से यह कार्य किया जाएगा।

मुर्शिदाबाद हिंसा में 113 घरों को सबसे ज्यादा नुकसान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में अप्रैल में सांप्रदायिक हिंसा को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट की तरफ से गठित जांच समिति ने गंभीर खुलासे किए हैं। इसमें कहा गया है कि हिंसा में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेता की भूमिका थी। हमलों का नेतृत्व स्थानीय पार्षद महबूब आलम ने किया। रिपोर्ट के अनुसार हिंसा में खासतौर पर हिंदू समुदाय को निशाना बनाया गया। इस दौरान स्थानीय पुलिस पूरी तरह से निष्क्रिय रही। पीड़ितों ने कई बार पुलिस को कॉल किया, लेकिन कोई मदद नहीं पहुंची। दरअसल, 17 अप्रैल को हाईकोर्ट ने तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था। इसमें राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, पश्चिम बंगाल मानवाधिकार आयोग और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एक-एक सदस्य शामिल थे। पश्चिम बंगाल में 11-12 अप्रैल को नए वक्फ बोर्ड कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान भीड़ उग्र हो गई थी।

विदेश सचिव मिसरी ने लगातार दूसरे दिन ब्रीफिंग दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने मंगलवार को लगातार दूसरे दिन भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष पर संसदीय समिति को ब्रीफ किया। आज संजय झा , श्रीकांत शिंदे (शिवसेना) और के कनिमोझी के लीडरशिप वाले 3 डेलिगेशन को ब्रीफ किया गया। मिसरी ने सभी डेलिगेशन के सदस्यों को पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर भारत के एजेंडे और इसकी बारीकियों को समझाया। बैठक में टीएमसी की ओर से अभिषेक बनर्जी शामिल रहे, वे संजय झा के डेलिगेशन में शामिल हैं।

झारखंड शराब घोटाला, आईएएस विनय चौबे और गजेंद्र सिंह गिरफ्तार

रांची (एजेंसी)। झारखंड में कथित तौर पर हुए शराब घोटाला मामले को लेकर आईएएस विनय चौबे को मंगलवार को एंटी करप्शन ब्यूरो ने गिरफ्तार किया है। इससे पहले एसीबी ने करीब 6 घंटे उनसे पूछताछ की। पूछताछ के दौरान ही मेडिकल टीम को बुलाया गया था। जांच के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। एसीबी ने मंगलवार को उनके तत्कालीन विभागीय सचिव होने के नाते पूछताछ की। सुबह 11 बजे के करीब टीम उन्हें एसीबी कार्यालय लेकर आई, जहां उनसे पूछताछ की गई। इसी मामले में आईएएस गजेंद्र सिंह को भी गिरफ्तार किया गया है। गजेंद्र सिंह संयुक्त उत्पाद आयुक्त है। एसीबी ने 5 दिन की रिमांड मांगी है। बताया जा रहा है कि पूरा मामला 31 मार्च

2022 में लागू हुई नई शराब नीति से जुड़ा हुआ है। उस दौरान उत्पाद विभाग के सचिव विनय चौबे ही थे। इस दौरान शराब नीति में बदलाव की बात चल रही थी, तब उन्होंने शराब नीति बदलने के लिए छत्तीसगढ़ के अधिकारियों के साथ बातचीत की थी।

नाराज चल रहे छगन भुजबल महाराष्ट्र कैबिनेट में मंत्री बने

मुंबई (एजेंसी)। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के नेता छगन भुजबल ने मंगलवार सुबह महाराष्ट्र कैबिनेट में मंत्री पद की शपथ ली। मंत्री बनने के बाद उन्होंने कहा- कहते हैं न- अंत भला तो सब भला। मैंने अब तक हर जिम्मेदारी अच्छे से निभाई है। अब भी जो जिम्मेदारी मिलेगी, उसे निभाऊंगा।दरअसल, पिछले साल नवंबर में महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन की सरकार बनी थी। हालांकि, 77 साल के छगन को मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया था, जिससे वह नाराज चल रहे थे। भुजबल ने महाराष्ट्र कैबिनेट में एनसीपी के

दिग्गज नेता धनंजय मुंडे की जगह ली है।। मुंडे ने मार्च में स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण मंत्री पद से इस्तीफा दिया था। भुजबल को यही खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण मंत्रालय मिल सकता है, क्योंकि इसके पहले वह दो बार यह मंत्रालय संभाल चुके हैं।

दिसंबर में मंत्री पद नहीं मिलने पर कहा था- क्या मैं खिलौना हूं महाराष्ट्र के नासिक जिले के येवला से विधायक भुजबल का कई दशकों लंबा राजनीतिक करियर रहा है। वह राज्य में एनसीपी समुदाय के एक बड़े नेता हैं। भुजबल इससे पहले अलग-अलग सरकारों में उपमुख्यमंत्री और कैबिनेट मंत्री के पद पर काम कर चुके हैं।

पिछले साल दिसंबर में मुख्यमंत्री फडणवीस के मंत्रिमंडल विस्तार के दौरान उन्हें मंत्री पद नहीं मिला था, जिससे वह नाराज थे।

यात्री डॉक्टर यूट्यूबर से पूछताछ करेगी हरियाणा पुलिस

रेवाड़ी/रोहतक (एजेंसी)। नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास में पाकिस्तान के गेस्ट बने हरियाणा के यूट्यूबर नवांकुर चौधरी भी पुलिस के रडार पर आ गए हैं। पाकिस्तान की जासूसी के आरोप में पकड़ी गई हिसार की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के साथ नवांकुर की फोटो वायरल हुई थी। इसके बाद पुलिस ने उनके पिता से पूछताछ की है। नवांकुर यूट्यूब पर यात्री डॉक्टर के नाम से चैनल चलाते हैं। नवांकुर ने भी पाकिस्तान की यात्रा कर उसका वीडियो अपने यूट्यूब चैनल पर शेयर किया था। मूल रूप से रोहतक के रहने वाले नवांकुर का परिवार अब झज्जर में बहादुरगढ़ के सेक्टर 9 में रहता है। नवांकुर फिलहाल आयरलैंड में हैं, उनकी वतन वापसी होते ही पुलिस उनसे पूछताछ करेगी।

राजनाथ बोले-हम सीमा पार के आतंकियों का इलाज करते हैं

लखनऊ (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, हम सीमा पार के आतंकियों का इलाज करते हैं। भारत में पिछले दिनों ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत की। सफलतापूर्वक पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को तबाह किया।

बड़ी संख्या में आतंकियों का सफाया करने में कामयाबी हासिल की है। हमारी भारतीय सेना ने एक कुशल डॉक्टर और सर्जन की तरह काम किया। जैसे एक सर्जन, जहां बीमारी की जड़ मौजूद होती है, वहां अपने औजारों का इस्तेमाल करता है।

वैसे ही भारतीय सेना ने बड़ी सटीकता के साथ आतंकवाद की जड़ों पर अपने हथियारों का इस्तेमाल किया। मगर, जैसा कि पाकिस्तान की आदत है कि जल्दी वह मानता नहीं है। पाकिस्तान ने भारत की जमीन पर हमले करना शुरू कर दिया। आम नागरिकों को निशाना बनाने का प्रयास किया।

मंदिर, गिरिजाघर और गुरुद्वारों को निशाना बनाया। उसके जवाब में भारतीय सेना ने जो कार्रवाई की, उससे पाकिस्तान की फौज को घुटने पर टेकने को मजबूर कर दिया।

बेंगलुरु में भारी बारिश- 500 घर डूबे, 3 की मौत

नई दिल्ली(एजेंसी)। मौसम विभाग ने मंगलवार को मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश समेत 11 राज्यों में आंधी-बारिश के साथ तूफान का अलर्ट जारी किया है। झारखंड में बिजली गिरने से 5 और महाराष्ट्र में 2 मौतें हुई हैं। झारखंड, बिहार समेत 13 राज्यों में आज भारी बारिश की चेतावनी है। इधर बेंगलुरु में सोमवार से तेज बारिश जारी है। शहर की ज्यादातर सड़कें पानी में डूबी हैं।

500 से ज्यादा घरों में पानी भर गया। बीटीएम लेआउट में पानी भरे अपार्टमेंट में करंट लगने से 12 साल के बच्चे और 63 साल के बुजुर्ग की मौत हो गई।

व्हाइटफील्ड में दीवार गिरने से 35 साल की महिला की मौत हो गई। मौसम विभाग ने बेंगलुरु में आज भी तेज बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा में हीटवेव मौसम विभाग ने राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा और चंडीगढ़ में हीटवेव की चेतावनी जारी की है।

मैदानी इलाकों में मध्य प्रदेश के खजुराहो में पारा 46 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

ईसाई कानून के मुताबिक शादी की तो एससी दर्जा खत्म

चेन्नई (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट ने हाल ही में कहा कि जब कोई शख्स भारतीय ईसाई विवाह अधिनियम के तहत शादी करने के लिए मर्जी से तैयार होता है, तो शादी के बाद से ही वह व्यक्ति ईसाई माना जाएग। यानी यह माना जाएगा कि उसने अपना मूल धर्म त्याग दिया है। कोर्ट ने यह भी कहा कि कोई व्यक्ति ईसाई धर्म अपना लेता है, तो वह अनुसूचित जाति का दर्जा नहीं रख सकता और आरक्षण के लाभों का दावा नहीं कर सकता। जस्टिस एल विक्टोरिया गौरी ने कन्याकुमारी के थेरूर नगर पंचायत के वर्तमान अध्यक्ष

को अयोग्य घोषित करते हुए यह बात कही। दरअसल, अमुथा रानी, जो मूल रूप से अनुसूचित जाति से थीं, उन्होंने ने 2005 में ईसाई व्यक्ति से शादी की थी।

जस्टिस रमण बोले-परेशान करने के लिए एमपी हाईकोर्ट तबादला किया

इंदौर (एजेंसी)। मप्र हाईकोर्ट की इंदौर बेंच के जज जस्टिस दुप्पला वेंकट रमण ने कहा कि 2023 में गृह राज्य आंध्र प्रदेश से दुर्भावना और परेशान करने के लिए उनका ट्रांसफर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट किया गया। जस्टिस रमण 2 जून को रिटायर हो रहे हैं। मंगलवार को अपने विदाई समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने ये बात कही।

जस्टिस रमण ने जजों और बार के सदस्यों के सामने कहा कि ऐसा लगता है कि मेरा तबादला आदेश गलत इरादे और मुझे परेशान करने के लिए किया गया। मुझे मेरे गृह राज्य से ट्रांसफर कर दिया गया था। मैं उनके अहंकार के संतुष्ट होने के लिए खुश हूं। अब वे रिटायर हो चुके हैं। ईश्वर न तो क्षमा करता है और न भूलता है। उन्हें दूसरे तरीके से भी कष्ट उठाना पड़ेगा। जस्टिस रमण ने आगे

कहा- मैंने आंध्र के बाद दूसरे विकल्प के रूप में कर्नाटक राज्य में ट्रांसफर चाहा था, ताकि मेरी पत्नी को बेहतर इलाज मिल सके। वह कोविड महामारी के कारण पैरोक्सिस्मल नॉन-एपिलेप्टिक दौरे और मस्तिष्क की बीमारी से पीड़ित थीं। लेकिन तत्कालीन मुख्य न्यायाधीशों के कार्यकाल के दौरान इस पर न तो विचार किया गया और न ही उसे खारिज किया गया। मैंने 1 नवंबर 2023 को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के न्यायाधीश के रूप में पदभार संभाला था। 19 जुलाई 2024 और 28 अगस्त 2024 को एक आवेदन भेजा, लेकिन उस पर न तो विचार किया गया और न ही खारिज किया गया। मैंने दूसरा अभ्यावेदन भेजा पर उसे भी न तो खारिज किया गया और न ही विचार किया गया। मेरे जैसे न्यायाधीश सकारात्मक मानवीय विचार की अपेक्षा करते हैं। मौजूदा चीफ जस्टिस जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई विचार कर सकते हैं, लेकिन अब बहुत देर हो चुकी है।

वफ कानून पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए वक्फ कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस मसीह की बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ताओं को अंतरिम राहत पाने के लिए मामले को और मजबूत करना चाहिए। सुनवाई के दौरान सीजेआई बीआर गवई बोले- हर कानून के पक्ष में संवैधानिकता की धारणा होती है। अंतरिम राहत के लिए, आपको एक बहुत मजबूत और स्पष्ट मामला बनाना होगा। वरना, संवैधानिकता की धारणा बनी रहेगी।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि कुल तीन मुद्दे हैं, जिन पर रोक लगाने की मांग की गई है और उस पर मैंने जवाब दाखिल कर दिया है। इन मुद्दों पर सुनवाई को सीमित किया जाए। याचिकाकर्ताओं के वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक एम सिंघवी ने इसका विरोध किया और कहा- कोई भी सुनवाई टुकड़ों में नहीं हो सकती। यह वक्फ संपत्तियों पर कब्जे का मामला है। इससे पहले कोर्ट ने इस मुद्दे पर 15 मई को सुनवाई की थी। तब सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह ने

केंद्र और याचिकाकर्ता को 19 मई तक हलफनामा पेश करने को कहा था। हालांकि, इसको लेकर जानकारी अभी सामने नहीं आई है। केंद्र की और से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और याचिकाकर्ताओं की ओर से कपिल सिब्बल ने दलीलें पेश कीं। बेंच ने कहा कि अंतरिम राहत दिए जाने के मुद्दे पर हम 20 मई को विचार करेंगे। दोनों पक्षों के वकीलों ने कहा था कि याचिकाओं के मुद्दों पर नजर डालने के लिए जजों को कुछ और वक्त की जरूरत हो सकती है। केंद्र ने भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट जब तक मामले को सुन रहा है, तब तक कानून के अहम प्रावधान लागू नहीं होंगे, यथास्थिति बनी रहेगी। 1332 पन्नों के हलफनामे में सरकार ने दावा किया 2013 के बाद से वक्फ संपत्तियों में 20 लाख एकड़ से ज्यादा का इजाफा हुआ। इस वजह से कई बार निजी और सरकारी जमीनों पर विवाद हुआ।

गोरखपुर में बनेगा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, इतने करोड़ रुपये की आएगी लागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। गोरखपुरमें 236 करोड़ रुपये की लागत से राज्य का चौथा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम तैयार होगा। सोमवार को एक आधिकारिक बयान में ये जानकारी दी गई। बयान में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सरकार ने अब प्रदेश में चौथे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण की तैयारी तेज कर दी है।

उत्तर प्रदेश के गोरखपुरमें 236 करोड़ रुपये की लागत से राज्य का चौथा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम तैयार होगा। सोमवार को एक आधिकारिक बयान में ये जानकारी दी गई। बयान में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सरकार ने अब प्रदेश में चौथे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण की तैयारी तेज कर दी है। आईसीसी समेत कई वैश्विक संस्थाओं के मानकों के अनुसार इसमें दो मंजिला स्टेडियम का निर्माण होगा। इसमें सात मुख्य पिच होंगी और ये 30 हजार दर्शकों की क्षमता युक्त होगा। प्रदेश में फिलहाल कानपुर और लखनऊ के स्टेडियम में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैचों का आयोजन होता है वहीं वाराणसी में निर्माणधीन अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम को भी तेजी से पूरा किया जा रहा है।

पंजाब के प्लेऑफ में पहुंचते ही गावस्कर ने गंभीर पर निशाना साधा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने आईपीएल 2025 में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स के प्लेऑफ में पहुंचते ही कोलकाता नाइटराइडर्स के पूर्व कोच गौतम गंभीर पर निशाना साधा है। गावस्कर ने कहा है कि पिछले आईपीएल में केकेआर की कप्तानी करते हुए श्रेयस अय्यर ने टीम को खिताबी जीत दिलायी थी पर गंभीर पूरा श्रेय ले गये। गावस्कर ने कहा कि टीम को श्रेयस ने चैंपियन बनाया था पर गंभीर ने उन्हें किनारे कर दिया। उन्होंने कहाकि सत्र की शुरुआत में गौतम ने केकेआर के मेन्टॉर के रूप में ज्वॉइन किया था पर आईपीएल का खिताब तक पहुंचते-पहुंचते सब बदल गया। सभी श्रेय गंभीर के पास चला गया जबकि इसके वास्तविक अधिकारी श्रेयस थे। इसके बाद श्रेयस को टीम ने रिटेन नहीं किया और मेगा नीलामी में पंजाब ने उन्हें मोटी रकम लेकर खरीद लिया।

गावस्कर ने कहाकि यह कप्तान ही होता है जो मैच में अहम भूमिका निभाता है। डगआउट में बैठकर कोई कोच जीत नहीं दिला सकता। गावस्कर ने कहाकि इस साल देखिए पूरा श्रेय श्रेयस को मिला रहा है। कोई भी यह नहीं कह रहा है कि कोच रिकी पॉन्टिंग ने पंजाब को प्लेऑफ में पहुंचाया हैअय्यर की कप्तानी में पंजाब की टीम 11 साल में पहली बार आईपीएल प्लेऑफ में पहुंची है। इसके साथ ही वह टूर्नामेंट के इतिहास में अकेले ऐसे कप्तान बन गए हैं, जिसने तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजी को आईपीएल प्लेऑफ तक पहुंचाया है।

बिना रोहित-विराट के इंग्लैंड में भारत की अग्नि परीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच बहुप्रतीक्षित टेस्ट सीरीज 20 जून से शुरू हो रही है, लेकिन इस बार टीम इंडिया मैदान पर एक अलग ही रूप में नजर आएगी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद यह पहली बार होगा जब भारतीय टीम इन दोनों दिग्गजों के बिना टेस्ट मुकाबलों में इंग्लैंड से भिड़ेगी। भारत का ऐतिहासिक रिकॉर्ड इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में कमजोर रहा है। अब तक दोनों टीमों के बीच 136 मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें भारत ने केवल 35 में जीत दर्ज की है जबकि इंग्लैंड ने 51 मैचों में बाजी मारी है। वहीं, 50 मैच ड्रॉ पर खत्म हुए हैं। यह आंकड़ा बताता है कि भारत को इंग्लैंड पर पकड़ मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी।हालांकि, पिछली सीरीज में भारत ने इंग्लैंड को करारी शिकस्त दी थी। 2024 की घरेलू सीरीज में भारत ने पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला 4-1 से अपने नाम की थी। उस सीरीज में यशस्वी जायसवाल ने बल्ले से कहर बरपाते हुए 712 रन बनाए थे जबकि रविचंद्रन अश्विन ने 26 विकेट झटके थे। इंग्लैंड की ओर से जैक क्रॉली ने 407 रन बनाए और टॉम हार्टले ने 22 विकेट हासिल किए थे। इस बार सीरीज का पहला मुकाबला 20 से 24 जून तक खेला जाएगा।

धोनी का संन्यास अभी नहीं! 2026 में भी खेल सकते हैं आईपीएल

नई दिल्ली (एजेंसी)। महेंद्र सिंह धोनी भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल और लोकप्रिय खिलाड़ियों में से एक हैं। 43 साल की उम्र में भी वे मैदान पर पूरी ऊर्जा के साथ खेल रहे हैं। हालांकि आईपीएल 2025 का सीजन उनकी टीम चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खास अच्छा नहीं रहा। टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है और खुद धोनी का प्रदर्शन भी अपेक्षित स्तर का नहीं रहा। ऐसे में यह चर्चा जोर पकड़ने लगी थी कि क्या यह धोनी का आखिरी सीजन है और क्या वे अब हमेशा के लिए क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। लेकिन एक नई रिपोर्ट ने उनके फैंस के लिए बड़ी राहत की खबर दी है।

एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े सूत्रों का मानना है कि धोनी अभी टीम को छोड़ने के मूड में नहीं हैं। टीम के भीतर कई ऐसी चीजें हैं जिनमें सुधार की आवश्यकता है और इसके लिए धोनी की अनुभव और नेतृत्व की जरूरत है। यही वजह है कि फ्रेंचाइजी के लोग मानते हैं कि अगर धोनी की फिटनेस ने उनका साथ दिया, तो वह आईपीएल 2026 में भी येलो जर्सी में नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि धोनी का मार्गदर्शन टीम के युवा खिलाड़ियों के लिए बेहद अहम है और अभी भी उनकी उपस्थिति ड्रेसिंग रूम में आत्मविश्वास भरती है।

धोनी से जब एक मुकाबले के बाद पूछा गया कि क्या आईपीएल 2025 उनका आखिरी सीजन होगा, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि इस पर वे कुछ समय बाद फैसला लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उनका खेलना पूरी तरह उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। धोनी का यह बयान भी इस ओर इशारा करता है कि वे अभी अपने रिटायरमेंट को लेकर जल्दबाज़ी में कोई फैसला नहीं लेना चाहते।

भले ही इस सीजन में टीम का प्रदर्शन उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा हो, लेकिन फैंस का धोनी के प्रति प्यार कम नहीं हुआ है। वे अब भी धोनी को मैदान पर खेलते हुए देखना चाहते हैं और यही समर्थन शायद धोनी को एक और सीजन तक मैदान पर बनाए रखे। ऐसे में अब सबकी नजरें धोनी के अगले कदम पर टिकी हैं। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो 'थाला' अगले साल भी मैदान में कमाल करते नजर आ सकते हैं।

ऋषभ पंत बारबार हो रहे हैं फ्लॉफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत का आईपीएल 2025 में बल्ले से फ्लॉप शो जारी है। विकेटकीपर बल्लेबाज पंत सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ भी फुस्स रहे। उन्होंने लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में 6 गेंदों में महज 7 रन बनाए, जिसमें एक चौका शामिल है। उन्हें श्रीलंकाई तेज गेंदबाज ईशान मलिंगा ने कॉट एंड बोल्ड किया। पंत के सिर सस्ते में आउट होने पर एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका का मूड खराब हो गया। गोयनका का रिएक्शन सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पंत ने जब 12वें ओवर की आखिरी गेंद पर विकेट गंवाया तो गोयनका

स्टेडियम में बालकनी में खड़े थे। वह वन डाउन उतरे थे। कप्तान के आउट होने ही गोयनका बेहद निराश नजर आए और बालकनी छोड़कर फौरन ड्रेसिंग रूम चले गए। गोयनका के रिएक्शन पर क्रिकेट फैंस की खूब प्रतिक्रिया आ रही हैं।

बता दें कि, पंत को एलएसजी ने पिछले साल मेगा ऑक्शन में 27 करोड़ रुपये में खरीद था। वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे प्लेयर हैं।

पंत ने मौजूदा सीजन में 12 मैचों में 12.80 की औसत से केवल 128 रन जोड़े हैं। उनके बल्ले से एक अर्धशतक निकला। उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 63 रनों की पारी खेली। वह आईपीएल 2025 में सबसे ज्यादा बार सिंगल डिजिट में आउट होने वाले खिलाड़ी हैं। पंत ने सात बार दहाई का आंकड़ा नहीं छुआ। मैच की बात करें तो एलएसजी ने एसआरएच के सामने 205/7 का स्कोर खड़ा किया। लखनऊ ने टॉस गंवाने के बाद अच्छी शुरुआत की। ओपनर मिचेल मार्श (65) और एडेन निकोलस पूरन ने 45 रनों का योगदान दिया।

मैंने शराब छोड़ी... भारत के खिलाफ सीरीज से पहले बेन स्टोक्स ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स चर्चा में आ गए हैं। स्टोक्स की चर्चा उनके एक खुलासे को लेकर हो रही है। दरअसल, स्टोक्स ने बताया है कि उन्होंने पूरी तरह से फिट होने के लिए शराब छोड़ दी। बस फिर क्या स्टोक्स का ये बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा कि उन्होंने इस साल की शुरुआत में शराब पीना छोड़ दिया था। क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि इससे उनकी चोट से जल्द उबरने में मदद मिलेगा। 33 साल के स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दौरान चोट लगने के बाद दिसंबर में अपने बाएं पैर की मांसपेशियों की सर्जरी करवाई थी, जिसके कारण वह लंबे समय तक खेल से बाहर हो गए थे। बेन स्टोक्स ने अनकैप्ड पॉडकास्ट पर कहा कि, अपनी पहली बड़ी चोट के बाद मुझे उसका सदमा याद है और तब मैं सोच रहा था कि ये कैसे हुआ? मैंने सोचा हमने चार या पांच रात पहले थोड़ी शराब पी थी, क्या इसका कोई असर हो सकता है? इससे कोई मदद नहीं मिलती, फिर मैंने सोचा कि मैं जो करता हूं मुझे उसे बदलना होगा।

स्टोक्स को पिछले साल हंड्रेड टूर्नामेंट में पैर की मांसपेशियों में चोट लगी थी। न्यूजीलैंड के टेस्ट दौरे के दौरान वह फिर से चोटिल हो गए। उन्होंने कहा कि, मुझे नहीं लगता कि मैं कभी पूरी तरह से इससे दूर हो पाउंगा, लेकिन मैंने दो जनवरी से शराब नहीं पी है। मैंने खुद से कहा है जब तक मैं अपनी चोट का इलाज पूरा नहीं कर लेता और मैदान पर वापसी नहीं करता तब तक नहीं।

के राहुल की टीम इंडिया में होगी ढाई साल बाद वापसी!

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में केएल राहुल बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। जिसके बाद टी20 क्रिकेट में उनकी ढाई साल बाद वापसी हो सकती है। दरअसल, केएल राहुल ने भारत के लिए टी20 क्रिकेट करीब ढाई साल पहले यानी 10 नवंबर 2022 को खेला था। वह टी20 वर्ल्ड कप 2022 का दूसरा सेमीफाइनल मैच था। उस मैच में केएल राहुल ने कप्तान रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत की थी। हालांकि, 5 गेंद में सिर्फ 5 रन बनाकर ही आउट हो गए थे। वह क्रिस वोक्स की गेंद पर जोस बटलर के

हाथों लपके गए थे। इंग्लैंड के खिलाफ वह मैच 10 विकेट से हार गया था। केएल राहुल ने टी20 वर्ल्ड कप 2022 में 6 मैच में 21.33 के औसत और 120.75 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ 128 रन बनाए थे। इसी वजह से चयनकर्ता खेल के सबसे छोटे प्रारूप में उनके अलावा किसी और खिलाड़ी पर विचार करने पर मजबूत हुए। हालांकि, केएल राहुल का आईपीएल में बेहतरीन प्रदर्शन रहा है। आईपीएल 2025 में अब तक 11 मैच में 61.63 के औसत और 148.05 के स्ट्राइक रेट से 493 रन बनाए हैं।

विराट कोहली को लेकर रवि शास्त्री ने दिया चौंकाने वाला बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली ने पिछले हफ्ते टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की, उन्होंने पिछले साल टी20 इंटरनेशनल से भी संन्यास लिया था। अब वह केवल वनडे खेलते हुए दिखेंगे। कोहली ने इंग्लैंड के दौरे से ठीक पहले ये फैसला किया। उनके इस फैसले पर कई पूर्व क्रिकेटर्स ने हैरानी जताई। हालांकि, भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि कोहली को इंग्लैंड दौरे पर जाना चाहिए था और कप्तानी भी करनी चाहिए थी। शास्त्री ने भी कहा कि विराट कोहली खेलना बंद करने के बाद खेल से दूर हो जाएंगे।

विराट कोहली ने भारत के लिए 123 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 46.85 के औसत से 30 शतकों की मदद से 9230 रन बनाए हैं। वह दस हजार रन पूरा करने से सिर्फ 770 रन दूर रह गए।

रवि शास्त्री ने स्पोर्टस्टार से कहा कि, मुझे यकीन है कि विराट कोहली में अभी भी दो साल का टेस्ट क्रिकेट बाकी है। मैं उन्हें इंग्लैंड में इस गर्मी में देखना पसंद करता।

इंग्लैंड के दौरे के लिए उन्हें कप्तानी देने का विचार अच्छा होता। लेकिन वो बेहतर जानते होंगे कि उन्होंने छोड़ने का निर्णय क्यों लिया। शायद मानसिक

थकान के कारण उन्होंने ये फैसला लिया। क्योंकि टीम में अन्य खिलाड़ियों के जितने ही फिट हैं और वह अपने शरीर को जानते हैं।

उन्होंने आगे कहाकि, वह भारतीय क्रिकेट की सेवा करने के लिए वनडे में हैं। लेकिन मैं ये भी जानता हूं कि विराट कोहली क्रिकेट खेलना खत्म करने के बाद गेम से दूर चले जाएंगे। वह ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो कोच बनना या ब्रॉडकास्टर की भूमिका निभाना पसंद करेंगे। जब भारत इंग्लैंड में अपना पहला टेस्ट चाहूंगा कि उन्होंने कभी एक इंच भी हार नहीं मानी।

अब्दुल समद पर बिफरे निकोलस पूरन, ड्रेसिंग रूम में जो हुआ उसे देखकर रह जाएंगे हैरान

नई दिल्ली (एजेंसी)। निकोलस पूरन वैसे तो ताबड़तोड़ बैटिंग के लिए जाने जाते हैं, लेकिन उनका स्वभाव बहुत शांत है। उन्हें बहुत कम मौकों पर गुस्सा करते देखा गया है, लेकिन सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में वो अपनी ही टीम के खिलाड़ी पर ऐसे भड़के कि ड्रेसिंग रूप में जाकर बवाल माच दिया। उनका गुस्सा करने का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। उन्होंने गुस्से में आकर जोर से दस्तानों को जमीन पर पटक दिया था।

ये मामला लखनऊ सुपर जायंट्स की पारी के 20वें ओवर का है। 20वें ओवर में अब्दुल समद और निकोलस पूरन बैटिंग कर रहे थे। नितीश रेड्डी गेंदबाजी कर रहे थे, जहां एक गेंद में ही 8 रन आ गए थे। ओवर की दूसरी गेंद पर निकोलस पूरन 2 रन

भागना चाहते थे, लेकिन वापस मुड़ते समय उनका पैर फिसल गया था। ऐसे में समद ने उन्हें वापस भेज दिया। पूरन ताबड़तोड़ अंदाज में 26 गेंद में 45 रन बना चुके थे और जब अब्दुल समद ने दूसरा रन भागने से मना किया तो उन्हें काफी गुस्सा आ गया था। ओवर की तीसरी गेंद पर निकोलस पूरन ने बाय का रन भागने की कोशिश की, लेकिन ईशान किशन पहले से तैयारी थे। उन्होंने पूरन को रन आउट कर दिया। इसके बाद जब निकोलस पूरन ड्रेसिंग रूम में लौटे तो उन्होंने सोफा को धक्का दे दिया था। उन्होंने गुस्से में अपने ग्लव्स को जमीन पर पटक कर मारा। ड्रेसिंग रूम का माहौल इतना गर्मा गया था कि शार्दुल ठाकुर को आगे आकर पूरन को शांत करना पड़ा।

निकोलस पूरन एक समय आईपीएल 2025 ऑरेंज कैप की दौड़ में सबसे आगे चल रहे थे, लेकिन पिछले कुछ मैच उनके लिए व्यक्तिगत रूप में ज्यादा अच्छे नहीं गुजरे हैं। उन्होंने आईपीएल 2025 की 6 पारियों में चार अर्धशतक समेत 359 रन बनाए लिए थे। वो उसके बाद 6 पारियों में एक भी फिफ्टी नहीं लगा पाए हैं। उन्होंने अब तक मौजूद सीजन की 12 पारियों में 455 रन बना लिए हैं।

मंत्रिपरिषद की बैठक में चिकित्सा अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण के लिए अहम निर्णय

संजय गांधी चिकित्सालय के उन्नयन के लिए 321.94 करोड़ रुपए की मंजूरी

चिकित्सा अधोसंरचना को मजबूती तथा आमजनों को मिलेंगी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं - उप मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने व्यक्त किया आभार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। इंदौर में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश भर में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रिपरिषद के निर्णयों की प्रशंसा करते हुए कहा है कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने एवं चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में आज मंत्रिपरिषद द्वारा कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई है। इन निर्णयों से न केवल चिकित्सा अधोसंरचना को मजबूती मिलेगी, बल्कि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं भी प्राप्त होंगी।

मंत्रिपरिषद ने श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय रीवा से संबद्ध संजय गांधी चिकित्सालय के व्यापक उन्नयन के लिए 321.94 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। इस योजना में नवीन ओ.पी.डी. भवन, मेटरनिटी ब्लॉक, नर्सिंग कॉलेज एवं हॉस्टल, मल्टी लेवल पार्किंग, 171 आवास, अत्याधुनिक किचन, डोरमेट्री, न्यूक्लियर मेडिसिन ब्लॉक तथा कैंसर इकाई हेतु बंकर जैसे महत्वपूर्ण निर्माण कार्य शामिल हैं। इससे विंध्य क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी एवं रीवा मेडिकल कॉलेज की कार्यक्षमता कई गुना बढ़ेगी। गंभीर रोगों के उपचार के लिए सुविधाएं बेहतर होंगी।

कैबिनेट की बैठक में इंदौर जिले के गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय परिसर में कुल 773.07 करोड़ रुपए की लागत से 1450 बिस्तरीय नवीन शिक्षण चिकित्सालय भवन, 550 बिस्तरीय नर्सिंग हॉस्टल, 250 सीटर मिनी ऑडिटोरियम तथा बाह्य विकास कार्यों के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। यह परियोजना इंदौर एवं आसपास के क्षेत्रों के लाखों नागरिकों को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराएगी एवं मेडिकल एजुकेशन की संरचना को आधुनिक बनाएगी।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय प्रदेश सरकार की स्वास्थ्य सेवाओं को जनकल्याण की सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सशक्त भारत - स्वस्थ भारत' के संकल्प को साकार करने हेतु मध्यप्रदेश सरकार तेजी से कार्य कर रही है। यह निर्णय मुख्यमंत्री डॉ. यादव की संवेदनशीलता, दूरदर्शिता और स्वास्थ्य क्षेत्र को लेकर उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रमाण है।

सतना के युवक की महाराष्ट्र में संदिग्ध मौत

परिजन शव लेकर सतना कलेक्ट्रेट पहुंचे, दो घंटे की समझाइश के बाद माने

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के करही कोठार निवासी आशीष कुमार विश्वकर्मा की महाराष्ट्र के जलगांव स्थित एमआईडीसी कंपनी में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन मंगलवार को शव लेकर सतना कलेक्ट्रेट पहुंचे और धरने पर बैठ गए।

आशीष पिछले 18 सालों से कंपनी में काम कर रहे थे। 19 मई को परिजनों को बताया गया कि उन्हें माइनर हार्ट अटैक आया है। वहीं, कुछ लोगों ने करंट लगने से मौत की बात भी कही है। परिजनों के पहुंचने से पहले ही पंचनामा और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कर शव सतना भेज दिया गया।

मृतक के जीजा ने एसडीएम राहुल सिलाडिया को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने महाराष्ट्र में हुई कार्रवाई पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि परिजनों को कोई दस्तावेज नहीं दिए गए और पूरी प्रक्रिया दबाव में की गई।

परिजनों का कहना है कि आशीष ठेकेदार राजेश मिश्रा के अधीन काम करते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना जानकारी के पोस्टमार्टम कराया गया। मृतक की पत्नी ने कलेक्टर को आवेदन देकर ठेकेदार पर कार्रवाई और बच्चों के भविष्य के लिए मदद की मांग की।

प्रशासन ने दिया आश्वासन

धरने की सूचना मिलने पर एसडीएम सिटी मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों को बताया कि शासन स्तर से कंपनी और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई कराई जाएगी। साथ ही उचित मुआवजा दिलवाने का भी भरोसा दिया। करीब दो घंटे की बातचीत के बाद परिजन शांत हुए और शव लेकर वहां से रवाना हो गए।

विकसित कृषि संकल्प अभियान 29 मई से 12 जून तक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र) भारत सरकार के कृषि विभाग द्वारा खेती को उन्नत और लाभकारी बनाने के लिए विकसित कृषि संकल्प अभियान शुरू किया जा रहा है। अभियान 29 मई से 12 जून तक चलाया जाएगा। इस संबंध में कमिश्नर बीएस जामोद ने बताया है कि अभियान के तहत संभाग के सभी जिलों में अधिकारियों और कृषि विशेषज्ञों के तीन-तीन दल क्षेत्र का भ्रमण करेंगे। किसानों तथा आमजनता से संवाद करके कृषि के विकास के संबंध में सुझाव लिए जाएंगे। साथ ही किसानों को खेती को आधुनिक बनाने के लिए महत्वपूर्ण सलाह भी दी जाएगी। अभियान के दौरान खेती की उन्नत तकनीक फसलों के आधुनिक और उन्नत बीज, कृषि में किए जा रहे नवाचार, प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण तथा कृषि क्षेत्र में ड्रोन तकनीक के उपयोग के संबंध में किसानों को जानकारी दी जाएगी। अभियान के दौरान किसानों को धान की सीधी बुआई, सोयाबीन फसल को रिजफेरो प्रणाली से लगाने तथा खरीफ फसल की तैयारी के संबंध में किसानों को मार्गदर्शन दिया जाएगा। जिले में भ्रमण करने वाले दल में कृषि विज्ञान केन्द्र तथा कृषि महाविद्यालय के वैज्ञानिक, राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली से जुड़े अधिकारी, प्रगतिशील किसान तथा कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मछली पालन एवं कृषि अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी शामिल होंगे।

कमिश्नर ने कहा है कि सभी कलेक्टर अभियान की तैयारी बैठक आयोजित करके अभियान की रूपरेखा तैयार कर लें। प्रत्येक जिले में शासन के निर्देशों के अनुरूप तीन-तीन दल गठित कर दें। इन दलों के जिले भर में भ्रमण का कार्यक्रम तैयार करके प्रतिदिन दो से तीन ग्राम पंचायतों में अभियान का क्रियान्वयन कराएं। अभियान के दौरान कृषि तथा उससे जुड़े विभागों की सभी प्रमुख योजनाओं की जानकारी एवं उससे लाभ लेने की प्रक्रिया से किसानों को अवगत कराएं। किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का उपयोग करके मिट्टी की जाँच कराने एवं आवश्यकता के अनुसार फसल को पोषक तत्व देने के लिए खाद के उपयोग का निर्धारण कराएं। खरीफ फसल की तैयारी के संबंध में भी किसानों को समुचित मार्गदर्शन दें। कलेक्टर अभियान के लिए जिला स्तर पर नोडल अधिकारी तैनात कर दें। नोडल अधिकारी अभियान की समस्त गतिविधियों में समन्वय बनाकर अभियान की प्रगति का हर सप्ताह प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। कलेक्टर और संयुक्त संचालक कृषि अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

कमिश्नर ने कार्यालय सभागार में आयोजित संभागीय बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा

जल गंगा संवर्धन अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं, पेंशन प्रकरण सात दिवस में दर्ज नहीं हुए तो होगी कार्यवाही

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर बीएस जामोद ने कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित संभागीय बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि सभी अधिकारी जल गंगा संवर्धन अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं। जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। पृथ्वी में यदि उपयोग के लिए स्वच्छ पानी नहीं होगा तो मानव ही नहीं समस्त जीव-जंतुओं और वनस्पतियों का जीवन भी नहीं रह पाएगा। बारिश के पानी को हर व्यक्ति संचित करने और धरा को वापस करने का प्रयास करे। पानी को व्यर्थ में न बहाएं। जल गंगा संवर्धन अभियान हर व्यक्ति का अभियान है। पानी की आवश्यकता हर व्यक्ति को होती है। अभियान में भागीदारी निभाने के लिए संभागीय अधिकारियों के 6 दल बनाए गए हैं। सभी अधिकारी संभाग के जिलों का भ्रमण करके जल गंगा संवर्धन अभियान में पूरा सहयोग दें।

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि जनवरी से अप्रैल माह तक के लंबित पेंशन प्रकरण लगभग निराकृत हो गए हैं। अभी भी दिसम्बर माह तक सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों के संभाग में 53 प्रकरण लंबित हैं। सभी अधिकारी सात दिवस में 30 अप्रैल तक सेवानिवृत्त तथा मई माह में सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों के पेंशन प्रकरण सात दिवस में अनिवार्य रूप से पेंशन कार्यालय में दर्ज करा दें। प्रकरणों के लंबित रहने पर संबंधित संभागीय और जिला अधिकारी दोनों के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि सभी अधिकारी जन कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विभागीय कार्य करें। गोविंदगढ़ से भैंसरहा तक सड़क चौड़ीकरण का कार्य सड़क विकास निगम द्वारा किया जा रहा है। सड़क निर्माण से प्रभावित सभी हैण्डपंप हटाकर उनके स्थान पर तत्काल नए हैण्डपंप लगाने की व्यवस्था करें। पीएचई और एमपीआरडीसी के अधिकारी समन्वय बनाकर हैण्डपंप लगाने की कार्यवाही सात दिवस में सुनिश्चित करें।

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि संभाग में आदर्श मण्डियों के विकास के लिए 218 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। उप संचालक मण्डी हर सप्ताह आवंटित राशि के उपयोग और निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी प्रस्तुत करें। कृषि तथा उससे जुड़े विभागों की प्रशिक्षण बैठक संभाग के पाँच जिलों में आयोजित की जा चुकी है। सिंगरौली में 28 मई को बैठक आयोजित की जाएगी। इस प्रशिक्षण के बाद मैदानी स्तर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी समन्वय से प्रयास करके विभागीय लक्ष्यों की पूर्ति कराएं। आगामी 18 जून को कृषि उत्पादन आयुक्त महोदय द्वारा संभाग में कृषि के विकास की समीक्षा की जाएगी। इससे जुड़े विभागों के अधिकारी निर्धारित एजेण्डा बिन्दुओं में कार्यवाही सुनिश्चित करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मछलीपालन तथा अन्य विभागों के श्रेष्ठ कार्य भी बैठक में प्रस्तुत करें।

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों की ई केवाईसी अपडेशन की अवधि शासन द्वारा 31 मई तक बढ़ा दी गई है। अभी संभाग में 81 प्रतिशत हितग्राहियों का ई केवाईसी किया जा चुका है। शेष हितग्राहियों का ई केवाईसी करने तथा स्थाई रूप से पलायन एवं मृत हितग्राहियों के नाम पोर्टल से पृथक करने के नाम 25 मई तक अनिवार्य रूप से पूरी कर लें। उपायुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग छात्रावास भवनों की साफ-सफाई और सुधार का कार्य करा लें। छात्रावास की शत-प्रतिशत सीट में विद्यार्थियों का प्रवेश सुनिश्चित करें। संयुक्त संचालक स्कूल शिक्षा दो जून से 15 जून के मध्य शिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित कराएं। इस वर्ष संभाग के सभी जिलों में बोर्ड परीक्षाओं का परीक्षाफल बहुत अच्छा रहा है। इस उपलब्धि को आगे बनाए रखने के लिए शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए लगातार प्रयास करना होगा। कमिश्नर ने कहा कि सभी अधिकारी व्यंकट क्लब की सदस्यता अनिवार्य रूप से ग्रहण करें। बैठक में कमिश्नर ने निक्षय मित्र बनाने, शिशुओं और गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण, कुपोषण पर नियंत्रण, गंभीर रोगियों को एयरलिफ्ट करने तथा पेयजल व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे, संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास ऊषा सिंह सोलंकी, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ एमएल गुप्ता, अधीक्षण यंत्री पीएचई जीएस धुर्वे, सहायक संचालक कृषि प्रीति द्विवेदी, डीन मेडिकल कालेज डॉ सुनील अग्रवाल तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा आज आएंगे रीवा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री एवं वित्त, वाणिज्य कर, योजना तथा सांख्यिकी मंत्री जगदीश देवड़ा 21 मई को एक दिवसीय प्रवास पर रीवा आएंगे। देवड़ा 21 मई को सुबह 8.30 बजे भोपाल से फ्लाई बिग हवाई सेवा से प्रस्थान कर सुबह 10.20 बजे रीवा पहुंचेंगे। उप मुख्यमंत्री देवड़ा रीवा में स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेकर दोपहर 3.20 बजे फ्लाई बिग हवाई सेवा से प्रस्थान कर शाम 5.20 बजे भोपाल पहुंचेंगे।

जमीनी विवाद में दो पक्षों के बीच मारपीट, सामने आया वीडियो

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के रामपुर बघेलान थाना क्षेत्र के ग्राम कृष्णगढ़ में जमीनी विवाद में मारपीट का वीडियो सामने आया है। 13 मई को हुई इस घटना का वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।

सनत कुमार गौतम (52) ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनकी चाची प्रेम गौतम ने सुशीला कुशवाहा से जमीन खरीदी थी। इसी जमीन पर रामकिशोर कुशवाहा, बृजकिशोर कुशवाहा और शिवमोहन कुशवाहा मड़ैया बना रहे थे।

सनत कुमार ने जब इसका विरोध किया तो आरोपियों ने गाली-गलौज की। तीनों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर प्रदीप गौतम, सावित्री गौतम और प्रमोद कुमार गौतम मौके पर पहुंचे। उन्होंने बचाव का प्रयास किया, लेकिन आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की।

टीआई संदीप चतुर्वेदी ने बताया कि फरियादी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है।

सतना में ट्रैफिक पुलिस ने यात्री बसों की जांच की

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में यातायात पुलिस ने मंगलवार को यात्री बसों की विशेष जांच अभियान चलाया। कोठी तिराहे पर चलाए गए इस अभियान में बसों की फिटनेस, फायर सिलेंडर और फर्स्ट एड बॉक्स की स्थिति की जांच की गई। इस कार्रवाई का नेतृत्व यातायात प्रभारी पंकज शुक्ला ने किया।

सिविल लाइन क्षेत्र के कोठी तिराहे पर यातायात टीम ने विभिन्न रूटों पर चलने वाली बसों की जांच की। इस दौरान कई बसों में सड़े-गले फायर सिलेंडर और अनुपयोगी फर्स्ट एड बॉक्स पाए गए, जिन्हें मौके पर ही निकलवाया गया। अधिकारियों ने साफ निर्देश दिए कि यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त होनी चाहिए। ड्राइवर और कंडक्टर से भी सुरक्षा संबंधी जागरूकता को लेकर बातचीत की गई।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले सिविल लाइन थाना क्षेत्र के हटिया के पास एक यात्री बस पलट गई थी, जिसमें कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। जांच में सामने आया था कि बस की स्थिति बेहद जर्जर होने के बावजूद उसे फिटनेस प्रमाणपत्र जारी किया गया था। इस घटना के बाद आरटीओ ने संबंधित बस की फिटनेस रद्द कर दी थी। उसी घटना को ध्यान में रखते हुए अब ट्रैफिक पुलिस ने शहर में बसों की सुरक्षा पर निगरानी तेज कर दी है।

जनसुनवाई में 83 आवेदकों के आवेदन पत्रों में हुई सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रति सप्ताह आयोजित होने वाली जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर पी.के. पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट में 83 आवेदकों के आवेदन पत्रों में सुनवाई की।

कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित जनसुनवाई में यशशरण तिवारी निवासी जवा ने खसरा में नाम अंकित कराने, रामसाद सेन निवासी ग्राम गढ़वा ने शासकीय भूमि में स्थापित हैण्डपंप को कब्जे से मुक्त कराने के लिए आवेदन दिया। संयुक्त कलेक्टर ने संबंधित तहसीलदारों को आवेदन पत्र में कार्यवाही के निर्देश दिये। लालमणि तिवारी निवासी लोही ने मुआवजा राशि के लिए आवेदन दिया। संयुक्त कलेक्टर तहसीलदार हुजूर को कार्यवाही के निर्देश दिये। दीनबंधु सोहगौरा निवासी ग्राम पटनार थाना बैकुंठपुर ने उनके साथ मारपीट, गाली गलौज करने वाले व्यक्ति पर कार्यवाही के लिए आवेदन दिया। आवेदन पत्र कार्यवाही के लिए पुलिस अधीक्षक कार्यालय भेजा गया।

जनसुनवाई में रामबहोर साकेत निवासी ग्राम बहुरीबांध ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ देने के लिए आवेदन दिया। जिला पंचायत रीवा को आवेदन आवश्यक कार्यवाही के लिए प्रेषित किया गया। मोनिका साहू निवासी वार्ड क्रमांक 21 धोबिया टंकी ने अनुग्रह सहायता के लिए आवेदन दिया। संयुक्त कलेक्टर ने आयुक्त नगर निगम कार्यालय को आवेदन कार्यवाही के लिए प्रेषित किया। सेमरिया निवासी शिवा पाण्डेय ने खसरे में जमीन का रकवा दर्ज करने के लिए आवेदन दिया। संयुक्त कलेक्टर ने तहसीलदार सेमरिया को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिये। निवासी गुढ रंगदेव पटेल ने आम रास्ता को खुलवाने के लिए आवेदन दिया। इस संबंध में तहसीलदार गुढ़ को कार्यवाही के निर्देश दिये गये।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।